हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 50 | प्रयागराज, रविवार 21 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

सिद्दारमैया ने मुख्यमंत्री व शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

बेंगलुरु। सिद्दारमैया और डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को राज्य में नई कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में क्रमशः कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने यहां कांटीरावा स्टेडियम में चल रहे समारोह में दोनों नेताओं को पद की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री के रूप में सिद्दारमैया का यह दूसरा कार्यकाल है। उन्होंने इस पद पर 2013 और 2018 के बीच सेवा की थी। सिद्दारमैया ने जहां भगवान के नाम पर 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, वहीं शिवकुमार ने अपने आध्यात्मिक गुरु श्री गंगाधर अज्जा के नाम पर शपथ ली। मंत्री के रूप में जी. परमेश्वर ने संविधान के नाम पर पद की शपथ ली, वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता के.एच. मुनियप्पा और केजे जॉर्ज ने भगवान के नाम पर शपथ ली। कार्यक्रम में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, सीपीएम महासचिव सीताराम याचुरी, सीपीआई महासचिव डी. राजा, एनसीपी के दिग्गज नेता शरद पवार शामिल हैं। इसके अलावा तमिल सुपरस्टार कमल हासन, कन्नड़ सुपर स्टार शिवराज कुमार, लोकप्रिय अभिनेता दुनिया विजय, अभिनेत्री से नेता बनीं राम्या, अभिनेत्री निश्विका नायडू, वरिष्ठ अभिनेता से नेता बनीं उमाश्री और फिल्म निर्देशक, निर्माता वी. राजेंद्र सिंह बाबू भी कार्यक्रम में मौजूद हैं। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर सिद्दारमैया व शिवकुमार ने हाथ जोड़कर भीड़ का अभिवादन किया। बाद में राहुल गांधी भी उनके साथ हो लिए। शपथ ग्रहण समारोह में करीब एक लाख लोग शामिल हो रहे हैं। समारोह से पहले ट्विटर पर राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक के लोगों के बीच वापस आना अच्छा लग रहा है। नई कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का इंतजार कर रहा हूं, जो प्रगति लाने पर जन केंद्रित सरकार होगी।

कर्नाटक में कांग्रेस भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देगीः राहुल गांधी

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस नेता सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि राज्य में पार्टी एक स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देगी तथा पार्टी के घोषणापत्र में किए गए पांच वादों को पूरा करेगी। राहुल गांधी ने कहा, हम आपको एक स्वच्छ, भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगेकृमैंने कहा था कि हम झूठे वादे नहीं करते। हम जो कहते हैं वह करते हैं। एक से दो घंटे में कर्नाटक सरकार की पहली कैबिनेट बैठक होगी और इन पांच वादों (5 गारंटी) को पूरा करने में कानून बन जाएगा। फाइव जी हैं 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, गरीब परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये प्रति माह, महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा, स्नातक पास छात्रों के लिए 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारी छात्रों के लिए 1,500 रुपये दो साल तक बेरोजगार भत्ता और गरीबी रेखा (बीपीएल) के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को 10 किलो मुफ्त चावल देना है। जानकारों के मुताबिक, इन 5जी से सरकारी खजाने पर सालाना 60,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव जीता क्योंकि पार्टी गरीबों, दलितों और आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पार्टी के पास सच्चाई थी और इसलिए चुनाव जीता, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास पैसा, पुलिस और सब कुछ था, लेकिन कर्नाटक के लोगों ने उन्हें हरा दिया। उन्होंने कहा, इस जीत का एक कारण यह था कि कांग्रेस गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के साथ खड़ी थी। सच्चाई हमारे साथ थी। आप सभी ने भाजपा की नफरत को हरा दिया है। आपने भाजपा के भ्रष्टाचार को हरा दिया है। भाजपा के पास बेशुमार दौलत थी और हमारे पास कुछ नहीं था। इसलिए हम दिल से कर्नाटक के लोगों का शुक्रिया अदा करते हैं। इससे पहले कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने श्री सिद्धारमैया और श्री शिवकुमार को क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई।

मनोहर लाल खट्टर के प्रिंसिपल ओएसडी पद पर रहते हुए भ्रष्टाचार के सबूत आए सामने : अनुराग ढांडा

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के ऑफिस में प्रिंसिपल ओएसडी नीरज दफ्तुआर का नाम करोड़ों के भ्रष्टाचार में सामने आया है। उन्होंने सीएमओ में प्रिंसिपल ओएसडी के पद पर रहते हुए करोड़ों की जमीन अपने परिवार के करा दी। रातों रात एएनए रियल लोजिस्टिकस एलएलपी कंपनी खड़ी कर दी गई। 12 दिनों में इस कंपनी को 9 एकड़ जमीन का सीएलयू जारी कर दिया गया। और सीएलयू जारी होने से ठीक दो दिन पहले करोड़ों की ये कंपनी नीरज दफ्तुअर की पत्नी अनुपम दफ्तुआर और बेटे आदित्य दफ्तुआर के नाम महज 75 लाख रुपए में कर दी गई। यह आरोप आम आदमी के वरिष्ठ नेता अनुराग ढांडा ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लगाए। उन्होंने कहा कि ये सब मुख्यमंत्री खट्टर की नाक के नीचे कैसे हुआ? उन्होंने कहा कि लोग समझ चुके हैं कि खट्टर सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार है। इस मामले की सीबीआई और ईडी से जांच करने की मांग की। उन्होंने कहा कि नीरज दफ्तुआर साल 2016 में हरियाणा में भाजपा सरकार के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के प्रिंसिपल ओएसडी के तौर पर नियुक्त हुए और अक्टूबर 2022 तक इस पद पर रहे। उनके कार्यकाल के दौरान जारी हुए सभी सीएलयू की जांच होनी चाहिए। उनकी पत्नी अनुपम दफ्तुआर और बेटे आदित्य दफ्तुआर को नौ एकड़ जमीन का विशाल टुकड़ा और एक कंपनी कौडियों के भाव कैसे सौंप दी गई। मामले को जहां सीधे तौर पर दफ्तुआर परिवार को फायदे पहुंचाने के लिहाज से पहले एक कंपनी बनायी गई, उसके जरिए जमीन खरीदी और फिर इसे दफ्तुआर परिवार के हवाले कर दिया गया। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी 2022 को एएनए रियल लोजिस्टिकस एलएलपी कंपनी बनाई है। जिसके डायरेक्टर सिद्धार्थ लांबा और आशीष चांदना बने। यह कंपनी 24 मार्च 2022 को झज्जर जिले के बादली तहसील के खालिकपुर गांव में 9 एकड़ जमीन 2 करोड़ 73 लाख रुपये में एक प्राइवेट कंपनी द्वारा संचालित मॉडल इकनॉमिक टाऊनशिप लिमिटेड (एमईटी) से खरीदती है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 45 करोड़ रुपये है। इस जमीन के लिए 15 अप्रैल 2022 को टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग में सीएलयू के लिए आवेदन किया और मात्र 12 कामकाजी दिनों में वेयरहाउस का लैंडयूज मिल गया है।

सिक्किम-मूसलाधार बारिश में फंसे 400 पर्यटकों को सेना ने बचाया

गंगटोक। भारतीय सेना ने सिक्किम में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और सड़कें बाधित होने के कारण फंसे महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 400 पर्यटकों को बचाया। रक्षा अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि शुक्रवार को मंगन जिले के लाचेन, लाचुंग और चुंगथांग में भारी मूसलाधार बारिश देखी गई, जिसके चलते लगभग 400 पर्यटक, जो लाचुंग और लाचेन घाटी की यात्रा कर रहे थे, मार्ग में भूस्खलन और बाधाओं के कारण चुंगथांग में फंस गए। उन्होंने कहा कि चुंगथांग के उप–विभागीय मजिस्ट्रेट के अनुरोध पर सेना की त्रिशक्ति कोर के जवानों ने कार्रवाई की और फंसे हुए पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। 113 महिलाओं और 54 बच्चों सहित फंसे हुए पर्यटकों को बचाने के बाद तीन अलग–अलग सेना शिविरों में ले जाया गया और उन्हें गर्म भोजन और गर्म कपड़े मुहैया कराए गए। सैनिकों ने पर्यटकों को समायोजित करने और उन्हें रात के लिए आरामदायक बनाने के लिए अपने बैरकों को खाली कर दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि तीन मेडिकल टीमों का गठन किया गया था जिन्होंने सभी पर्यटकों की जांच की। सेना की मेडिकल टीम द्वारा प्रारंभिक चिकित्सा जांच में सभी पर्यटकों की हालत स्थिर पाई गई। हालांकि, शनिवार को गुरुडोंगमार झील घूमने गई एक महिला ने तेज सिरदर्द और चक्कर आने की शिकायत की। पास के एक फील्ड अस्पताल से मेडिकल टीम स्थान पर पहुंची और एक्यूट माउंटेन सिकनेस (एएमएस) के लक्षणों का पता लगाया। उसे तत्काल चिकित्सा प्रदान की गई और गंगटोक के मेडिकल अस्पताल में आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। सैनिकों की त्वरित प्रतिक्रिया ने किसी भी दुर्घटना को टाल दिया और फंसे हुए पर्यटकों के लिए आराम सुनिश्चित किया। इस बीच, जल्द से जल्द वाहनों की आवाजाही के लिए सड़क को खाली करने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यटकों को उनकी आगे की यात्रा के लिए मार्ग साफ होने तक हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। प्रवक्ता ने कहा कि हिमालय के अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सीमा की रक्षा करते हुए, भारतीय सेना पर्यटकों और स्थानीय आबादी को सहायता प्रदान करने में सक्रिय रहती है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में मरने वालों की संख्या हुई 12

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में दो और लोगों की मौत हो जाने से मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 12 हो गई। शुक्रवार देर रात से जिन दो लोगों की मौत हुई है उनकी पहचान रवींद्र मैती और पिंकी मैती के रूप में हुई है। विस्फोट के दिन (मंगलवार) नौ लोगों की मौत की सूचना मिली थी। मुख्य आरोपी और अवैध कारखाने के मालिक कृष्णापाड़ा बाग, जो घायलों में शामिल था, की शुक्रवार सुबह ओडिशा के कटक के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या 10 हुई थी। अब, सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दो अन्य घायलों और उपचाराधीन व्यक्तियों की मौत के साथ त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। राज्य पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारी फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं। कृष्णपद बाग के बेटे पृथ्वीजीत बाग और भतीजे विश्वजीत बाग को अधिकारियों ने पहले ही हिरासत में ले लिया है।

चंद्रबाबू नायडू ने आरबीआई के फैसले का किया स्वागत, कहा- नोट बंद करने से निश्चित रुप से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी

अमरावती। 2,000 रुपए के नोट चलन से बाहर होने के बाद विपक्षी पार्टियां लगातार मोदी सरकार पर हमलावर बनीं हुई है। लेकिन आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने आरबीआई के फैसेल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि 2,000 रुपए के नोट को बंद करना एक अच्छा संकेत है। आंध्र प्रदेश में शनिवार को (20मई) एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायजू ने कहा कि, 2,000 रुपए के नोटों पर प्रतिंबध लाने का निर्णय निश्चित रुप से एक अच्छा संकेत है। मैंने तो बहुत पहले ही डिजिटल करेंसी पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है और नोटों को रद्द करने से निश्चित रुप से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी। चंद्रबाबू नायडू ने का कि, चुनावों के दिनों में राजनेता वोटर्स को लुभाने के लिए पैसे देकर इलेक्शन जीतने का प्रयास करते हैं और इसके लिए 2,000 रुपए के नोट की बड़ी भूमिका रहती है। अब नोट बंद होने से इसके काफी हद तक रोका जा सकता है। आरबीआई ने शुक्रवार को ऐलान किया कि 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को संचलन से वापस लेने का निर्णय लिया गया है। हालांकि अभी वे वैध मुद्रा बने रहेंगे। 23 मई से लेकर 30 सितंबर तक लोग इन्हें बैंकों में जाकर वापिस कर सकते हैं। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति ने आरबीआई द्वारा 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की। बीआरएस के प्रवक्ता श्रवण दासोजू ने शुक्रवार रात एक वीडियो संदेश में कहा, ''भारत सरकार का 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने का फैसला पूरी तरह से बेतुका और अतार्किक है। वास्तव में नरेन्द्र मोदी ने साबित किया है कि वह एक अक्षम प्रधानमंत्री हैं और 2016 में की गयी नोटबंदी पूरी तरह से विफल थी। नोटबंदी को बड़ा 'घोटाला करार देते हुए दासोजू ने मोदी से सवाल किया कि 2016 में नोटबंदी के दौरान दिए गए उन बयानों का क्या हुआ, जिनमें कहा गया था कि इससे ''काले धन और आतंकवादियों की घुसपैठ पर लगाम लगेगी। उन्होंने पूछा कि 2016 में सरकार ने 1,000 के नोट क्यों बंद किए और 2,000 के नोट लेकर क्यों आए।

केंद्र का अध्यादेश 'असंवैधानिक है, यह दिल्ली सरकार से शक्तियां छीनने की कोशिश है : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में नौकरशाहों के तबादले से जुड़ा केंद्र का अध्यादेश 'असंवैधानिक है और यह सेवा संबंधी मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली सरकार को दी गई शक्तियों को छीनने के लिए उठाया गया एक कदम है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र सरकार ने यह अध्यादेश लाने के लिए जानबूझकर ऐसा समय चुना, जब सुप्रीम कोर्ट अवकाश के कारण बंद हो गया है। केंद्र सरकार ने 'दानिक्स काडर के 'ग्रुप–ए अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए 'राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक अध्यादेश जारी किया था। गौरतलब है कि अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून–व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था। आतिशी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का यह अध्यादेश दर्शाता है कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को (दिल्ली के) मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवालश्श और ईमानदार राजनीति की शक्ति से ''डर लगता है। उन्होंने कहा कि उन्हें (मोदी को) डर लगता है कि यदि उन्हें (केजरीवाल को) शक्ति मिल गई, तो वह दिल्ली के लिए असाधारण काम करेंगे। यह अध्यादेश 11 मई को उच्चतम न्यायालय द्वारा 'आप को दी गई शक्तियां छीनने की एक कोशिश है। मंत्री ने कहा कि यह अध्यादेश कहता है कि दिल्ली के लोगों ने भले ही केजरीवाल को वोट दिया है, लेकिन वह दिल्ली को नहीं चलाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र ने इस अध्यादेश को लाने के लिए जानबूझकर कल (शुक्रवार) रात का समय चुना। उच्चतम न्यायालय छह सप्ताह के अवकाश के कारण बंद हो गया है और यह काम को बाधित करने के लिए जानबूझकर की गई कोशिश है। आतिशी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद दिल्ली सरकार को शक्तियां दी हैं, लेकिन केंद्र इसे बर्दाश्त नहीं कर सका। अध्यादेश तीन सदस्यों वाले राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण के गठन की बात करता है, जिसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे और मुख्य सचिव एवं प्रमुख गृह सचिव इसके सदस्यों के रूप में काम करेंगे, लेकिन इस बात पर गौर किया जाना चाहिए कि मुख्य सचिव एवं प्रमुख गृह सचिव की नियुक्ति केंद्र करेगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण बहुमत से फैसले करेगा। इसका मतलब है कि फैसले केंद्र के नौकरशाहों द्वारा किए जाएंगे। अगर वह कोई ऐसा फैसला करता है, जो केंद्र को पसंद नहीं है, तो उपराज्यपाल के पास उसे पलटने का अधिकार होगा।

नोटबंदी पर पर्दा डालने के लिए की गई 'दूसरी नोटबंदी, निष्पक्ष जांच होनी चाहिए : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 2,000 रुपये के नोट को सितंबर 2023 के बाद चलन से बाहर करने की घोषणा किए जाने के बाद शनिवार को केंद्र पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या नोटबंदी रूपी गलत निर्णय पर पर्दा डालने के लिए यह 'दूसरी नोटबंदी की गई है। उन्होंने कहा कि एक निष्पक्ष जांच से ही पूरी सच्चाई सामने आएगी। खड़गे ने ट्वीट किया, ''आपने पहली नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को एक गहरा जख्म दिया था, जिससे पूरा असंगठित क्षेत्र तबाह हो गया, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) ठप हो गए और करोड़ों रोजगार गए! अब 2,000 रुपये के नोट वाली 'दूसरी नोटबंदी। क्या यह गलत निर्णय के ऊपर पर्दा डालना है? एक निष्पक्ष जांच से ही कारनामों की सच्चाई सामने आएगी। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोट को सितंबर 2023 के बाद चलन से बाहर करने की शुक्रवार को घोषणा की। इस मूल्य के नोट को बैंकों में 23 मई से जाकर बदला जा सकता है। आरबीआई ने शाम को जारी एक बयान में कहा कि अभी चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने बैंकों को 30 सितंबर तक ये नोट जमा करने एवं बदलने की सुविधा देने को कहा है। हालांकि, एक बार में सिर्फ 20,000 रुपये मूल्य के नोट ही बदले जा सकेंगे।

2,000 का नोट वापस लेने से अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा प्रभाव : पूर्व वित्त सचिव

नई दिल्ली। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने शनिवार को कहा कि 2,000 रुपए का नोट वापस लिए जाना 'बहुत बड़ी घटना नहीं है और इससे अर्थव्यवस्था या मौद्रिक नीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 2,000 रुपए के नोट को 2016 में विमुद्रीकरण के समय 'आकस्मिक कारणों से मुद्रा की अस्थायी कमी को दूर करने के लिए लगाया गया था। गर्ग ने कहा कि पिछले पांच–छह वर्षों में डिजिटल भुगतान में भारी वृद्धि के बाद, 2,000 रुपए का नोट (जो वास्तव में अन्य मूल्यवर्ग के नोटों के स्थान पर लाया गया था) वापस लेने से कुल मुद्रा प्रवाह प्रभावित नहीं होगा और इसलिए मौद्रिक नीति पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, "इससे भारत के आर्थिक और वित्तीय तंत्र के परिचालन पर भी प्रभाव नहीं पड़ेगा। जीडीपी वृद्धि या जन कल्याण पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा।" आरबीआई ने शुक्रवार को 2,000 रुपए के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा की थी। इस मूल्य के नोट बैंकों में जाकर 30 सितंबर तक जमा या बदले जा सकेंगे। आरबीआई ने शाम को जारी एक बयान में कहा कि अभी चलन में मौजूद 2,000 रुपए के नोट 30 सितंबर तक वैध मुद्रा बने रहेंगे।

सम्पादकीय

गर्म-दौर की तपिश

यह एक हकीकत है कि जलवायु परिवर्तन का दंश पूरे विश्व के लिये संकट पैदा कर रहा है। जिसके प्रभाव पूरी दुनिया में सूखे, बाढ़ और लू की तपिश के रूप में सामने आ रहे हैं। इस विकट स्थिति में वशद्धि की आशंकाओं के बीच विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ के जलवायु परिवर्तन के पूर्वानुमान डराने वाले हैं। संगठन के अनुसार आने वाले पांच वर्ष अब तक के सबसे गर्म वर्ष साबित होने वाले हैं। जिसके लिये दुनिया के तमाम देशों को तैयार रहना होगा। जाहिर है इससे पूरी दुनिया को भीषण गर्मी, विनाशकारी बाढ़ और सूखे जैसी मौसमी घटनाओं के परिणामों के लिये तैयार रहना होगा। खासकर विकासशील देशों के लिये यह बड़ी चुनौती होगी क्योंकि उन्हें अपनी बड़ी आबादी को इस संकट से सुरक्षा प्रदान करनी होगी। इससे कृषि व अन्य रोजगार के साध न ही बाधित नहीं होंगे बल्कि कई देशों की खाद्य सुरक्षा शर्ंखला के खतरे में पड़ जाने की आशंका बलवती हुई है। निस्संदेह, घातक मौसमी घटनाओं के परिणामों से बचने के लिये विकसित व विकासशील देशों को कमर कसनी होगी। दरअसल, पूर्व औद्योगिक युग के स्तर पर 1.5 डिग्री सेल्सियस की खतरनाक वशद्धि से आगे तापमान बढ़ने से अल नीनो प्रभाव के चलते तमाम विनाशकारी परिणाम सामने आ सकते हैं। दरअसल, मानव की अंतहीन लिप्सा के चलते पैदा हुई ग्रीन हाउस गैसों द्वारा उत्सर्जित गर्मी इस संकट में इजाफा ही करने वाली है। जिससे दुनिया के पर्यावरण के व्यापक विनाश की आशंका पैदा हो रही है। मनुष्य द्वारा प्रकृति के साथ किये गये खिलवाड़ का खमियाजा आने वाली पीढ़ियां भुगतने को अभिशप्त हैं। लेकिन अपने संसाधनों का भरपूर उपयोग करके समशद्धि पाने वाले विकसित देश अपने दायित्वों से मुंह मोड़ रहे हैं। दुनिया में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े तमाम संगठनों की दशकों से पर्यावरण संरक्षण की मांग को अनदेखा करके विकसित देश गरीब मुल्कों की मदद के लिये आगे नहीं आ रहे हैं। जिसके चलते हाल–फिलहाल में इस संकट का तार्किक समाधान निकलता नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, विश्व मौसम विज्ञान संगठन की यह टिप्पणी कुछ राहत देती है कि यह वैश्विक तापमान वशद्धि अस्थायी है। लेकिन संगठन इसके बावजूद चेतावनी देता है कि पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग एक हकीकत बन चुकी है। मगर यह भी एक हकीकत है कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में हुए सम्मेलनों में किये गये वायदों का सम्मान करने के लिये विकसित राष्ट्र अपने दायित्वों से विमुख बने हुए हैं। निश्चित रूप से जब तक विकसित देश तापमान नियंत्रण की दिशा में ईमानदार पहल नहीं करते पूरी दुनिया एक भयावह आपदा की दिशा में अग्रसर ही रहेगी। आज के हालात में यह जरूरी हो गया है कि जीवाश्म ईंधन के विकल्प तुरंत तलाशे जायें। अब चाहे हरित ऊर्जा का क्रियान्वयन युद्ध स्तर पर करने की जरूरत हो या फिर गरीब मुल्कों में संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा और पुनर्वास की तैयारी हो, बिना अमीर मुल्कों की आर्थिक मदद के स्थिति में कोई सुधार संभव नहीं होगा। यह न्यायसंगत होगा कि पिछली शताब्दी में विकसित देशों की औद्योगीकरण की प्रक्रियाओं के दौरान कार्बन उत्सर्जन के कारण विकासशील देशों को हुए नुकसान की भरपाई विकसित देश ईमानदारी से करें। उल्लेखनीय है कि गरीब मुल्कों के लिये अरबों डॉलर के जिस जलवायु वित्त का वायदा अमीर मुल्कों ने किया था, उसे निभाने का अब वक्त आ चुका है। इस धरती को जीने लायक बनाने के लिये यह एक अपरिहार्य शर्त है। आज पूरी दुनिया में उन लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान करने की जरूरत है जिनको मौसम का चरम नुकसान पहुंचा सकता है। विकसित देशों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से करना होगा। अब चाहे अमेरिका हो या यूरोपीय देश, सभी मौसम की तल्खी के घातक परिणामों से दो–चार हैं। लेकिन गरीब मुल्कों का संकट बड़ा है। उनके पास लोगों के पुनर्वास व संरक्षण के लिये पर्याप्त पूंजी का भी अभाव है। यह समय धनी पश्चिमी देशों से जलवायु–न्याय छीनने का वक्त है।

ये जो सूरत-ए-हाल है!

जब ऐसी साधारण चीजों का बाजार सिकुड़ा है, तो निर्यात होने वाली वस्तुओं के लिए देश के अंदर उपभोक्ता ढूंढना नामुमकिन ही है। आयात का गिरना इस बाजार रुझान का भी एक संकेत है।निर्यात और आयात दोनों में अप्रैल में भारी गिरावट आई। निर्यात में 12 प्रतिशत और आयात में 14 प्रतिशत गिरावट आई। इसका ऊपर से दिखने वाला सकारात्मक नतीजा यह है कि देश का व्यापार घाटा कम हो गया। लेकिन यह गौर करने की बात है कि आयात में गिरावट को सिर्फ दो स्थितियों में अच्छी खबर माना जाता है। पहली तो यह कि उत्पादन सामग्रियां देश के अंदर ही बन रही हों और इनका इस्तेमाल निर्यात के लिए उत्पादन में हो रहा हो। दूसरी यह कि देश के अंदर बाजार बढ़ रहा हो और उसकी मांग को पूरा करने लायक उत्पादन करने में देश आत्म–निर्भर हो गया हो। ये आदर्श स्थितियां होती हैं। लेकिन भारत के साथ यह सूरत नहीं है। यहां आयात गिरने का सीधा अर्थ देश के अंदर उत्पादक गतिविधियों में गिरावट के कारण मांग का घटना है। जाहिर है, निर्यात के लिए विदेशों में प्रतिकूल बनते हालात के कारण निर्यात की स्थितियां बिगड़ रही हैं, तो देश के अंदर उत्पादक गतिविधियां भी धीमी हो रही हैं।इस बात की तस्दीक दूसरे आंकड़े भी करते हैं। मसलन, यह खबर महत्त्वपूर्ण है कि एफएमसीजी (तेल–साबुन जैसी रोजमर्रा के उपभोग की चीजें बनाने वाली कंपनियों) अब अपने मुनाफे की कीमत पर सामग्रियों के दाम घटाने का फैसला किया है।

कमलनाथ भी बिजली मुफ्त देंगे

कर्नाटक विजय से उत्साहित कांग्रेस अब इस वर्ष के अन्त तक होने वाले मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ व तेलंगाना राज्यों में भी उस 'मैसूरू फार्मूले' को लागू करने की तैयारी में लगती है जिसने इसका परचम बेंगलुरू में फहराया। इन चारों राज्यों में केवल तेलंगाना को छोड़कर शेष तीन राज्यों में कांग्रेस पार्टी का मुकाबला सीधे केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा से होगा। कर्नाटक में कांग्रेस ने गरीब मतदाताओं को एक गारंटी पत्र दिया था जिसमें मुफ्त बिजली से लेकर मुफ्त चावल तक देने का आश्वासन था। हालांकि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का केवल यही एक कारण नहीं है बल्कि असली वजह विचारात्मक विमर्श माना जा रहा है मगर मतदाताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने में गारंटी कार्ड की उत्प्रेरक भूमिका जरूर रही है। संभवतः इसी से उत्प्रेरित होकर मध य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमन्त्री श्री कमलनाथ ने घोषणा की है कि यदि आगामी नवम्बर महीने में होने वाले विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो प्रत्येक गरीब व्यक्ति को 100 यूनिट बिजली मुफ्त दी जायेगी और 200 यूनिट तक खर्च करने वाले का बिल आधा होगा। जब 2018 में हुए चुनावों के बाद श्री कमलनाथ मुख्यमन्त्री बने थे तो उन्होंने एक सीमा तक बिजली खर्च करने वाले परिवारों का बिल आधा किया था और छोटे किसानों का कर्जा भी माफ किया था। हालांकि उनकी सरकार को केवल सवा साल बाद ही 'इस्तीफा संस्कृति' के चलते गिरा दिया गया था और राज्य में पुनः भाजपा सरकार गठित हो गई थी मगर उनकी सरकार के इस अल्पकाल के दौरान किये गये कार्यों को मध्य प्रदेश के लोग आज भी याद करते हैं। इसके साथ हमें ध यान रखना होगा कि मध्य प्रदेश और कर्नाटक की संस्कृति व सामाजिक संरचना में मूलभूत अन्तर है। इस राज्य में आजादी के बाद से ही राम राज्य परिषद से लेकर हिन्दू महासभा व जनसंघ का प्रभाव रहा है बेशक यह प्रभाव सीमित क्षेत्रों में ही रहा हो मगर हिन्दूवादी राष्ट्रवादी विचारधारा इस राज्य में रही है। मध्य प्रदेश में देशी रियासतों का राजस्थान की भांति ही बहुतायत होने की वजह से सामन्ती मानसिकता भी समाज के लोगों में थी जिसे कांग्रेस के अपने जमाने के चाणक्य कहे जाने वाले महारथी नेता स्व. पं. द्वारका प्रसाद मिश्र ने सुप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इस राज्य को आधुनिक बनाने के लिए श्रम किया। साथ ही डा. राममनोहर लोहिया के प्रभाव से इस राज्य के कुछ क्षेत्रों में समाजवादी आन्दोलन भी पनपा। यही वजह थी कि राज्य की होशंगाबाद लोकसभा सीट से प्रसिद्ध समाजवादी चिन्तक व नेता डा. एच.वी. कामथ जैसे नेता चुनाव जीता करते थे। यहां यह भी कम उल्लेखनीय नहीं है कि इमरजेंसी के बाद 1977 के लोकसभा चुनावों में रीवा रियासत के पूर्व महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव को संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के कोटे से जनता पार्टी के एक नेत्रहीन प्रत्याशी स्व. के.के. शास्त्री ने लाखों मतों से चुनाव में हरा दिया था। अतः यह कहा जा सकता है कि मध्य प्रदेश की संस्कृ ति में नये विचारों को स्वाकीर करने की भी अभिलाषा रही है परन्तु वर्तमान दौर में उत्तर भारत में जो राजनैतिक विमर्श चल रहा है उसमें हिन्दुत्व की भूमिका कहीं न कहीं भीतरखाने जरूर रहती है। यही वजह थी कि श्री कमलनाथ ने अपने संक्षिप्त शासन के दौरान राज्य की हर पंचायत में गौशालाएं खुलवाने का आदेश दिया था और 'श्री राम वन गमन' मार्ग के आधुनिकीकरण का आदेश भी दिया था।

यह सब लिखने का उद्देश्य यही है कि कांग्रेस पार्टी को इस राज्य में यहां की संस्कृति के अनुरूप ही अपना चुनावी विमर्श देना होगा और भाजपा का मुकाबला इस हकीकत को ध्यान में रखते हुए करना होगा कि इस राज्य की संस्कृति में जातिवाद की उपस्थिति नाम मात्र की रही है और साम्प्रदायिकता का उग्र रूप भी इसे कभी स्वीकार नहीं रहा है, हां इतना जरूर कहा जा सकता है कि विशुद्ध भारत मूलक राष्ट्रवाद इसके लोगों को लुभाता रहा है क्योंकि बौद्ध काल से लेकर मध्य युगीन इतिहास का गौरव इस राज्य की मिट्टी में केवल घुला हुआ है बल्कि लोगों से बातें करता नजर आता है। इस हकीकत को कमलनाथ भी जानते हैं और भाजपा के मुख्यमन्त्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी जानते हैं। यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि दोनों नेता किन चुनावी विमर्शों के साथ नवम्बर महीने में चुनावों के दौरान जनता की अदालत में खड़े होंगे। चूंकि कमलनाथ केन्द्र में वाणिज्य मन्त्री भी रहे हैं और परिवहन मन्त्री भी रहे हैं अतः वह आर्थिक विमर्श की बारीकियों को केन्द्र में न लाना चाहें ऐसा नहीं हो सकता। ऐसा करते हुए वह कर्नाटक में अपनी पार्टी के विमर्श की बारीकियों को श्री राहुल गांधी के इस आख्यान का अध्ययन जरूर करेंगे कि कर्नाटक में कांग्रेस का साथ गरीब जनता ने जमकर दिया क्योंकि लड़ाई गरीब और अमीरों के बीच में थी। दूसरी तरफ इसी मोर्चे पर श्री शिवराज सिंह चौहान के पास प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की शख्सियत है जिनकी केन्द्र सरकार ने कई गरीब कल्याण योजनाएं चला रखी हैं। अतः मध्य प्रदेश में श्री कमलनाथ ने इसी मोर्चे पर चुनावी शतरंज बिछानी शुरू कर दी है।**–आदित्य नारायण**

प्रशांत सागर देश, मोदी की यात्रा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की आस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनिया की यात्रा रद्द किए जाने से आस्ट्रेलिया के सिडनी में क्वाड शिखर बैठक को रद्द करना पड़ा, बल्कि पापुआ न्यू गिनिया आयोजित प्रशांत महासागर स्थित द्वीप देशों के नेताओं की बैठक को भी रद्द करना पड़ा। जो बाइडेन की यात्रा रद्द करने की मजबूरी अमेरिका के घरेलू संकट की वजह से आई है। अमेरिका का कर्ज सीमा संकट गम्भीर मोड़ पर पहुंचता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर इसी महीने अमेरिकी कांग्रेस कर्ज सीमा बढ़ाने पर राजी नहीं हुई तो अमेरिका के लिए ऋण डिफाल्ट करने तक की नौबत आ सकती है। अमेरिका के ऋण संकट ने जो बाइडेन को एक बड़ी कूटनीतिक पहल करने से रोक दिया। जो बाइडेन की पहली प्राथमिकता अपने घर को सम्भालना है। यद्यपि बाइडेन जापान में जी–7 समिट में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से जापान और पापुआ न्यू गिनिया और आस्ट्रेलिया की यात्रा पर जाएंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की कूटनीति को नए आयाम हासिल हुए हैं। दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेताओं के बीच आत्मविश्वास से भरा एक मजबूत नेता, एक मजबूत भारत का प्रतिनिधि, एक ऐसा देश जो आर्थिक विकास कर रहा है। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले भारत को अब पश्चिमी देश विस्तारवादी चीन के मंसूबों पर विराम लगाने वाले एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के तौर पर देखते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जापान और पापुआ न्यू गिनिया की यात्रा का अपना एक महत्व है। जापान इस समय जी–7 समिट की अध्यक्षता करता रहा है। जी–7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत उन गिने–च्चुने देशों में शामिल है जो परमाणु अप्रसार संधि ा में शामिल नहीं हैं। देश के प्रथम प्रध ानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री हिरोशिमा शहर जा रहे हैं। पंडित नेहरू 1957 में हिरोशिमा गएध्थे लेकिन भारत द्वारा 1974 में परमाणु परीक्षण के बाद इस शहर का कोई दौरा नहीं हुआ। जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फूमियो हिरोधशिमा से हैं। जी–7 देशो में जापान, इटली, कनाडा, फ्रांस, अमेरिका, यूके और जर्मनी शामिल हैं। समिट के लिए गैर सदस्य देशों को भी बुलाया जाता है। भारत इस वर्ष जी–20 की अध्यक्षता कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी–7 सम्मेलन में अपनी प्राथमिकताओं पर एक राय बनाने की कोशिश करेंगे। प्रधानमंत्री स्थिरता और समृद्धि, खाद्य, उर्वरक, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण और बुनियादी ढांचा तथा विकास सहयोग जैसे मुद्दों पर बातचीत करेंगे। जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फूमियो और अन्य नेताओं से भी उनकी बातचीत होगी। जापान और भारत के बीच औपचारिक संबंध 1952 में शुरू हुए थे। राजनयिक संबंधों की स्थापना से पहले ही दोनों देशों के बीच सद्भावना व्यापार, शैक्षिणक और सांस्कृतिक संबंध ा बने हुए थे। संबंधों के 71 वर्षों के दौरान दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में संबंध विकसित हुए हैं। जापान ने भारत को मैट्रो रेल परियोजना के साथ–साथ कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में पूर्ण सहयोग दिया है और कई क्षेत्रों में वह लगातार निवेश और सहायता कर रहा है। भारत में आटोमोबाइल सैक्टर के विकास में जापान की महत्वपूर्ण भूमिका है। जापान के बाद प्रधानमंत्री मोदी पापुआ न्यू गिनिया और आस्ट्रेलिया भी जाएंगे। पापुअ न्यू गिनिया के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मारापे के साथ द्विपक्षीय बैठक तो करेंगे ही साथ ही फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड्स कार्पोरेशन की शिखर बैठक में भी भाग लेंगे। भारत के लिए प्रशांत क्षेत्र के द्विपीय देश काफी महत्वपूर्ण हैं। प्रशांत क्षेत्र में हाल ही के वर्षों में चीन का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। चीन का प्रभाव कम करने के लिए अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया तो सहयोग कर ही रहे हैं लेकिन भारत को प्रशांत क्षेत्र के द्वीप देशों की तरफ भी दोस्ती और सहायता का हाथ बढ़ाना जरूरी है। भारत और पापुआ न्यू गिनिया के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी होंगे। यद्यपि क्वाड की बैठक नहीं होगी लेकिन प्रधानमंत्री मोदी आस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे और आस्ट्रेलिया–भारत व्यापारिक संबंधों पर चर्चा करेंगे। भारत और आस्ट्रेलिया संबंध पहले से ही काफी मधुर और मजबूत हैं। दोनों देशों में हिन्द प्रशांत क्षेत्र के विकास के संबंध में विचारों का आदान–प्रदान होगा और एक मुक्त खुले और समावेशी हिन्द प्रशांत के लिए विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा भी आवश्य होगी।

आज का राशिफल

मेष :– विचारों की अस्थिरता आपको उलझनपूर्ण परिस्थिति में डालेगी। नौकरी–व्यवसाय के क्षेत्र में स्पर्धायुक्त वातावरण रहेगा। नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रवास की संभावना है।

वृषभ :– मन की दुविधा ठोस निर्णय पर आने से रोकेगी जिससे हाथ आए अवसर आप खो देंगे। झक्की व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है। नए कार्य के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मिथुन :– आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। आर्थिक लाभ मिलने के साथ–साथ कहीं से गिफ्ट प्राप्त हो सकता है।

कर्क :– शरीर और मन में बेचौनी और अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा आपकी निर्णयशक्ति को कसौटी के शिखर पर चढ़ाएंगे। वाद–विवाद से दूर रहें।

सिंह :– आज के दिन आपको विविध ा लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन का ढीलापन आपको लाभ से वंचित न कर दे, इसका ख्याल रखें। पदोन्नति और आय वशद्धि का योग है।

कन्या :– नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। व्यापार में लाभ होगा। बकाया वसूली के पैसे वापस मिलेंगे। पिता की तरफ से लाभ होगा।

तुला :– लंबी दूरी की यात्रा या ध ार्मिक स्थान की मुलाकात होगी। विदेश यात्रा के लिए अनुकूलता रहेगी। फिर भी आपको संतान और स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंता रहेगी। ध ान का खर्च होगा।

वृश्चिक :– गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। नए कार्य शुरू न करें। क्रोध, आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

धनु :– बौद्धिक, तार्किक, विचार–विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के सम्बंधों में अधिक घनिष्ठता रहेगी। मान–सम्मान मिलेगा।

मकर :– गणेशजी की कृपा से आपके व्यापार–धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन–देन में सरलता रहेगी। परिवार में सुख– शांति का माहौल रहेगा।

कुंभ :– आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट–दर्द से परेशान होंगे। विचारों में तेजी से परिवर्तन मानसिक स्थिरता में खलल पहुंचाएगा।

मीन :– शारीरिक– मानसिक भय रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ वाद–विवाद होगा। माताजी का स्वास्थ्य खराब होगा। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आएगी। अनिद्रा से परेशान रहेंगे।

मोदी सरकार में बड़ा बदलाव

कर्नाटक हारने और अगले कई विध ानसभा चुनाव और आम चुनाव से पहले मोदी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। कानून मंत्री के पद से किरन रिजिजू को मुक्त कर अब उन्हें पश्थ्वी विज्ञान मंत्रालय दिया गया है। श्री रिजिजू की जगह अब राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है, संस्कृति मंत्रालय वे पहले से ही संभाल रहे हैं। भाजपा के एक समर्पित कार्यकर्ता की तरह किरन रिजिजू ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया दी कि श्प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कानून मंत्री के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं चीफ जस्टिस समेत सुप्रीम कोर्ट के जजों, हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस, निचले कोर्ट के जजों और सभी कघनून अधिकारियों का भी शुक्रगुजार हूं। मैं अर्थ साइंसेज मंत्रालय में भी उसी उत्साह से काम करूंगा, जैसा बीजेपी कार्यकर्ता के रूप में करता रहा हूं।श कानून मंत्रालय बमुश्किल दो साल तक किरन रिजिजू के पास रहा। उन्हें 2021 में कानून मंत्री बनाया गया था, इससे पहले रविशंकर प्रसाद के जिम्मे ये मंत्रालय था, मगर वे भी अचानक इसी तरह हटा दिए गए थे। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में चार साल में दो बार कानून मंत्री बदल दिए गए, तो सवाल उठना लाजिमी है कि इस महत्वपूर्ण मंत्रालय को संभालने वाले क्या जिम्मेदारियों को निभा नहीं पा रहे या फिर उनसे कुछ उम्मीदें सरकार और भाजपा की हैं, जो पूरी नहीं हो पा रही हैं। और जहां तक सवाल किरन रिजिजू के उत्साह का है, तो इसके कई उदाहरण उन्होंने अपने कार्यकाल में प्रस्तुत किए हैं।

देश में अतीत में ऐसे अनेक मौके आए, जब सरकार और न्यायपालिका के बीच मतभेद हुए, एक–दूसरे के कार्यक्षेत्र में दखल के आरोप लगे, टकराव हुए लेकिन लोकतंत्र के स्तंभों में परस्पर सम्मान और विश्वास बना रहा। मगर किरन रिजिजू ने अपने कार्यकाल के दौरान ऐसे कई बयान न्यायिक व्यवस्था पर दिए, जिससे विवाद खड़े हुए और अप्रिय स्थिति निर्मित हुई। इसी साल 18 मार्च को किरन रिजिजू ने एक कार्यक्रम में कहा था कि श्कुछ रिटायर्ड जज हैं, जो एंटी इंडिया ग्रुप का हिस्सा बन गए हैं। जो लोग देश के खिलाफ काम करेंगे, उन्हें उसकी कीमत चुकानी होगी। भारत में ऐसा कभी नहीं हुआ कि कानून मंत्री के ओहदे पर बैठे किसी व्यक्ति ने सेवानिवृत्त जजों को लेकर ऐसी टिप्पणी की हो। उनके इस बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट और कई हाई कोर्ट के 300 से अधिक वरिष्ठ वकीलों ने एक बयान जारी कर कहा था, श्कघनून मंत्री रिटायर्ड जजों को धमकी दे कर नागरिकों को ये संदेश देना चाहते हैं कि आलोचना की किसी भी आवाज को

बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी तरह 16 जनवरी 2023 को टाइम्स ऑफ इंडिया में एक रिपोर्ट छपी, जिसमें दावा किया गया कि किरन रिजिजू ने भारत के चीफ जस्टिस को एक पत्र लिखकर कॉलेजियम में केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों को शामिल करने का सुझाव दिया था। इस मामले को लेकर विपक्षी पार्टियां, भाजपा पर हमलावर हो गई थीं। इस तरह के बयानों से देश में अनावश्यक विवाद तो खड़े हुए ही, मोदी सरकार भी बार–बार सवालों के दायरे में आई, कि जो विचार किरन रिजिजू व्यक्त कर रहे हैं, वो उनके अपने हैं या किसी के इशारे पर वे ऐसा कह रहे हैं। न्यायपालिका और सरकार के बीच लगातार टकराव बने रहने की स्थिति से भी अच्छा संदेश नहीं जा रहा था। मुमकिन है मोदी सरकार अपने लिए विपरीत हो रहे हालात में विवादों से बचने की युक्ति तलाश रही हो और इसमें पहला कदम किरन रिजिजू को कानून मंत्री के पद से हटाना हो। बीते कुछ समय में न्याय क्षेत्र से सरकार के अनुकूल खबरें आ भी नहीं रही हैं। कर्नाटक चुनाव में भाजपा सरकार ने आरक्षण का दांव खेलते हुए मुस्लिमों को मिलने वाले 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों में बांटने का फैसला लिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि कर्नाटक सरकार का मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत कोटा खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा। आरक्षण के दांव को एक फैसले से विफल कर दिया गया और बाकी तीर भी बेकार ही गए, लिहाजा भाजपा कर्नाटक हार गई। इससे पहले महाराष्ट्र विवाद में सुप्रीम कोर्ट से शिंदे सरकार को बरकरार रहने का फैसला तो सुनाया गया, लेकिन जिस तरह तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की गलती पर अदालत ने टिप्पणी की, उससे भाजपा को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। दिल्ली मामले में भी शीर्ष अदालत ने एलजी की जगह प्रशासनिक सेवाओं को दिल्ली सरकार के पास रखने का फैसला सुनाया। हाल ही में दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति का फैसला सुनाते हुए अदालत ने टिप्पणी की कि उपराज्यपाल को दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन नामित करने की शक्ति देने का मतलब होगा कि वह एक निर्वाचित नागरिक निकाय को अस्थिर कर सकते हैं। तीन महीने पहले चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर शीर्ष अदालत ने आदेश दिया था कि इनकी नियुक्ति अब सीबीआई निदेशक की तरह होगी जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सीजेआई का पैनल नियुक्ति करेगा। यह मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि निर्वाचन आयोग पर सरकार दबाव बनाती है, ये आरोप सरकार पर लगते रहे हैं। कुल मिलाकर कानून मंत्री के तौर पर किरन रिजिजू का सफर उबड़–खाबड़ रहा, विवादों और बाध ाओं के ढेले–पत्थर लगातार उछलते रहे। इससे मोदी सरकार पर दाग लगने का खतरा बना हुआ था। अभी अदानी–हिंडनबर्ग प्रकरण, राहुल गांध ी को मानहानि पर सजा के खिलाफ दायर याचिका ऐसे कुछ मामले हैं, जिन पर फैसला आना बाकी है और इनका सीधा असर भाजपा और मोदी सरकार पर होगा। संभवतरू इन सारी वजहों से यह बड़ा फैसला अचानक लिया गया। दूसरी ओर राजस्थान चुनाव को ध्यान में रखते हुए संभवतरू अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। श्री मेघवाल दलित समुदाय से हैं और इनके जरिए राजस्थान की 16 प्रतिशत दलित आबादी को भाजपा साध सकती है। कर्नाटक में जिस तरह एससी, एसटी समुदायों ने भाजपा को किनारे लगाया है, उसके बाद छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, और तेलंगाना की आदिवासी और दलित आबादी के बीच पैठ बनाना भाजपा के लिए चुनौती है। भाजपा इसी की तैयारी कर रही है। अक्सर साइकिल से चलने वाले श्री मेघवाल पूर्व नौकरशाह हैं तो उन्हें सरकार और प्रशासन दोनों का अच्छा तर्जुबा है। देखना होगा कि भाजपा को चुनाव में इस फेरबदल का क्या लाभ होता है।

कार्यबल में घटती महिलाएं

2021 में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी घटकर 23 फीसदी रह गई। 2018 में हुए एक सर्वेक्षण से सामने आया था कि कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामले में 131 देशों की सूची में भारत 120वें नंबर पर था। हाल के दशकों मे, भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या में काफी कमी आई है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत में औपचारिक और अनौपचारिक कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी साल 2005 में 27 फीसदी थी, जो 2021 में घटकर 23 फीसदी रह गई। 2018 में हुए थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन के सर्वेक्षण के मुताबिक कार्यबल (वर्क फोर्स) में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामले में 131 देशों की सूची में भारत का 120वां स्थान था। स्पष्टतरू भारत में कार्यक्षेत्र में महिलाओं की कमी के पीछे कई कारण हैं। इनमें बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी, शादी के बाद घर की देखभाल, कौशल की कमी, शैक्षणिक व्यवधान और नौकरियों की कमी शामिल हैं। महिलाओं को घर के बाहर जाकर काम नहीं करना चाहिए, जैसी मान्यताएं भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन के सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक है– खासकर यौन हिंसा के जोखिम के मामले में। कार्यबल में महिलाओं की घटी संख्या पर अक्सर चिंता जताई जाती है, लेकिन इसका व्यावहारिक समाधान क्या है, इस पर कम ही बात होती है।इस समस्या का संबंध सामाजिक मान्यताओं के साथ–साथ अर्थव्यवस्था और उसके संकट से भी जुड़ा है। जब किसी कंपनी में श्रमिकों को निकालने की नौबत आती है, तो सबसे पहले महिलाओं को बाहर किया जाता है। चूंकि महिलाओं को लैंगिक असमानता और पितृसत्तात्मक समाज के दोहरे भेदभाव का सामना करना पड़ता है, और अब सरकार ने भी महिलाओं के कार्यस्थलों पर अनुकूल स्थितियां बनाने से ध्यान हटा लिया है, इसलिए यह समस्या गहराती जा रही है। जरूरत उन महिलाओं पर ध्यान देने की है, जो घर की चाहरदीवारी में बंद नहीं रहना चाहतीं और बाहर काम करने के मौके की तलाश में रहती हैं। साथ ही उन महिलाओं को उचित विकल्प उपलब्ध कराना होगा, जो नौकरी जाने के बाद दोबारा काम पर लौटना चाहती हैं। लेकिन यह सब एक नियोजित और ऐसी अर्थव्यवस्था में ही हो सकता है, जहां नीतियां बनाने में सरकार अपनी भूमिका समझती हो। दुर्भाग्य से भारत में अभी सोच ठीक इसके उलटी दिशा में है।

चारागाह ,चक मार्गो, व तालाबो पर किए गए अवैध हटवाते जाए

गांव चौपालों में ग्रामीणो की समस्यायों का त्वरित समाधान किया जाय – केशव प्रसाद मौर्य

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार बुलन्दशहर में विकास कार्यों एव कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने जनपद में किए गए विकास कार्यों एव केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के बारे में समस्त विभागों के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिसपर समस्त विभागों के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आयुष्मान भारत के अन्तर्गत जनपद में कुल 910205 लाभार्थियों के सापेक्ष 732699 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड, पंचायत सहायक एवं ब्लाक स्तरीय टीम के समन्वय के सहयोग से बनाये गये है, जो कि 80.50 प्रतिशत है। अब तक जनपद में 57049 लाभार्थियों को 61.92 करोड़ रूपये का लाभ दिया जा चुका है। जनपद में 14 आक्सीजन प्लान्ट की स्थापना की गयी है। एक जिला एक मेडिकल कॉलेज योजना के अन्तर्गत जनपद में कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जनपद में वर्ष 2022–23 में 1203 जोड़ो का विवाह सम्पन्न कराते हुए कुल 613.53 लाख रू०लाभ दिया गया। वृद्धावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत 53128 लाभार्थियों, निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत 62637 लाभार्थियों एवं दिव्यांगजन पेंशन योजना के अन्तर्गत 16118 लाभार्थियों को पी०एफ०एम०एस० के माध्यम लाभान्वित किया जा रहा है। बेटी बचाओं –बेटी पढ़ाओं योजना के अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 370 नवजात बालिकाओं एवं उनकी माताओं को बेबी किट एवं उपहार देकर समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण एवं लिंगानुपात में वृद्धि हेतु प्रचार प्रसार दीवार पेंटिग एवं लोगों के माध्यम से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत जिला अनुश्रवण समिति द्वारा समस्त कार्यवाही पूर्ण कर कुल 20757 आवेदन पत्र भुगतान हेतु निदेशालय अग्रसारित किये गये है। जिनमें से 18441 बालिकाओं को पी०एफ०एम०एस० के माध्यम से कुल धनराशि 341.79 लाख रू0 से लाभान्वित किया जा चुका है। खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत 26402 राशनकार्ड अन्त्योदय योजना के प्रचलित है, जिन पर प्रति कार्ड 35 किग्रा खाद्यान्न (14 कि०ग्रा० गेहूँ एवं 21 कि०ग्रा० चावल) एवं पात्र ग्रहस्थी योजनान्तर्गत 586636 राशनकार्ड प्रचलित है जिन पर प्रति यूनिट 05 किलोगाम खाद्यान्न (02 कि०ग्रा० गेहूँ एवं 03 किग्रा चावल) राशन निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बालसेवा योजनान्तर्गत कुल 1150 बच्चों को कुल धनराशि 258.21 लाख रू0 से लाभान्वित किया जा चुका है। स्कूल चलो अभियान एवं आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में नवीन नामांकन 53711 लक्ष्य के सापेक्ष 90063 छात्र–छात्राओं का नामांकन ऑनलाइन पोर्टल पर पूर्ण कराया जा चुका है। जनपद में वर्ष 2022–23 में कुल 212471 छात्रध्छात्राओं के अभिभावकों के खातें में डी०बी०टी० के माध्यम से निःशुल्क यूनिफार्म, जूते–मोजे, स्वेटर एवं बैग वितरण हेतु 1100 रू० प्रति छात्रध्छात्राओं की दर से प्रेषित किया गया है। ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत चिन्हित 1869 विद्यालयों के सापेक्ष 1741 विद्यालयों में 19 पैरामीटर्स पर कुल 93.15 प्रतिशत अवस्थापना सुविधाओं का संतृप्तीकरण पूर्ण किया जा चुका है।

खेत में क्षत–विक्षत अवस्था में मिला किशोरी का शव

हरदोई। बिलग्राम क्षेत्र के कटरी के गांव में एक किशोरी का शव क्षत–विक्षत अवस्था में घर से कुछ दूरी पर खेत में पड़ा मिला यह देखकर गांव में हड़कंप मच गया और पुलिस को सूचना दी गई।

बिलग्राम थाना क्षेत्र के गंगा किनारे कटरी इलाके में गांव चिरंजू पुरवा में एक किशोरी का खेत में शव पाया गया शुक्रवार देर रात शव मिलने से गांव में हड़कंप मच गया गांव वालों ने शव को देखते ही किशोरी को पहचान लिया और परिजनों को सूचना दी उक्त किशोरी का नाम नन्ही 14वर्ष पुत्री हरी प्रताप निवासी चिरंजू पुरवा के रूप में शव को पहचाना गया परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और परिवार में कोहराम मच गया आनन फानन शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पिता की सूचना पर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है मौके पर पुलिस के आला अफसरों समेत प्रभारी निरीक्षक फूल सिंह ने घटनास्थल का जायजा लिया इस संबंध में बीट इंचार्ज शिव कुमार ने बताया की घटना के कारणों की जांच चल रही है ।और इस कारण पोस्टमार्टम कराया गया है ।

आरएमएल में 390 नर्सो की हुई नियुक्ति

- तीन बैच में होगा नर्सिंग इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम
- प्रत्येक बैच में 150 नर्सेज को तीन दिवसीय करेंगे प्रशिक्षित

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में 390 नर्सेज की नियुक्ति कर दी है। यह पहल संस्थान की निदेशक प्रो सोनिया नित्यानंद के नेतृत्व में इलाज में नर्सिंग केयर की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए नर्सिंग इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षण के माध्यम से नवनियुक्त नर्सिंग संवर्ग को उनके मानवतापूर्ण पेशे के प्रति महत्वपूर्ण दायित्व जिम्मेदारियों के लिए जागरुक करने के साथ ही नर्सिंग मानक एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 3 बैच में किया जा रहा है जिसमें प्रत्येक बैच में लगभग 150 नर्सेज को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जायेगा। वहीं कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य नर्सिंग अधिकारी सम्बोधन से करते हुए उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि मरजों की देखभाल जीवन का एक तरीका है अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों की सेवा के लिए स्टाफ नर्स की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ को सेवा के साथ अपने अच्छे व्यवहार से मरीज को जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास रहता है। एक नर्स के लिए वार्ड में मरीजों की जरूरतों का आकलन करना और मरीजों के लिए नर्सिंग केयर प्लान को बनाना होता है। इसी क्रम में संस्थान निदेशक नें इंडक्शन टे्निंग प्रोग्राम पर संक्षिप्त विवरण देते हुए बताया कि इस टे्निंग का मुख्य लक्ष्य संस्थान में पालन की जाने वाली नीतियों प्रोटोकॉल और दस्तावेजीकरण पर मानकीकृत जानकारी प्रदान करना है साथ ही यह रोगियों के साथ उनके संचार को विकसित करने, महत्वपूर्ण कार्यशैली मे सुधार करनें व निर्णय लेने के कौशल तथा रोगियों की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करने में सक्षम बनानें में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ से मरीज एवं उसके तीमारदार की उम्मीदें जुड़ी होती है। नर्सिंग संवर्ग चिकित्सा क्षेत्र का एक अभिन्न अंग है। इसलिए अपने कार्य के प्रति अपने कौशल को विकसित करना है तथा अपने प्रोफेशन में ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करे। कार्यक्रम में निदेशक,सीएमएस, चिकित्सा अधीक्षक, समेत संस्थान के अन्य फैकल्टी सदस्य, मुख्य नर्सिंग अधिकारी, संस्थान में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ, अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरे

आबकारी एवं पुलिस टीम द्वारा अवैध कच्ची शराब कारोबारियों पर दी गई दबिश

हरदोई। जनपद हरदोई में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिला आबकारी अधिकारी रविशंकर के नेतृत्व में आबकारी एवं पुलिस टीम द्वारा अवैध कच्ची शराब कारोबारियों पर दी गई दबिश दी गई।

थाना लोनार के ग्राम बावन, थाना बिलग्राम के ग्राम परसोला, थाना कछौना के ग्राम ठाकुरगंज, कंजरपुरवा,थाना हरपालपुर के ग्राम करता में आबकारी एवं पुलिस की संयुक्त दबिश की कार्रवाई की गई ।दबिश दौरान सघन तलाशी में लगभग 145 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं लगभग 300 किलोग्राम लहन बरामद हुई ।शराब को कब्जे में लेते हुए लहन को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं मे 07 अभियोग पंजीकृत किया गया।

पारिवारिक कलह के चलते फांसी लगाकर की आत्महत्या

कछौना,हरदोई। कोतवाली कछौना के अंतर्गत खजोहना के ग्राम कहलैया में भट्ठा मजदूर ने परिवारिक कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर कछौना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली कछौना की ग्राम सभा खजोहना के ग्राम कहलैया निवासी रामकेवल पुत्र सरजू उम्र 30 वर्ष ने शनिवार की सुबह घर में पारिवारिक कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक विवाहित है, पत्नी मायके में थी। वह भट्ठा पर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। ग्रामीणों के अनुसार गांव में कच्ची शराब बड़े पैमाने पर बनती है, जिसके कारण युवा नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं। शराब के कारण आए दिन गांव में लड़ाई–झगड़ा व अनहोनी घटनाएं घटती हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया। इस घटना से परिवारजनों का रो–रो कर बुरा हाल है।

हाइड्रा की टक्कर से बाइक सवार की मौत

राही,रायबरेली। भदोखर थाना क्षेत्र के मुंशीगंज कस्बे में अनियंत्रित हाइड्रा की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। शुक्रवार देर शाम बाइक सवार महेश कुमार यादव 40 वर्ष पुत्र औसान राम निवासी इमामगंज मजरे राही थाना मिल एरिया गदागंज से घर वापस जा रहा था। मुंशीगंज कस्बा पार करते ही मछली बाजार के पास ओवरटेक करते समय बाइक सवार हाइड्रा की चपेट में आ गया। हाइड्रा के चपेट में आते ही आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। देखते ही देखते कुछ ही देर में सैकड़ों लोगों का भारी जमावड़ा लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को आनन–फानन जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने इलाज करते हुए गंभीर रूप से घायल युवक को लखनऊ रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। युवक की मौत की खबर सुनकर परिजनों में चीख–पुकार मच गई। मुंशीगंज चौकी प्रभारी बृजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हाइड्रा को हिरासत में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दो अलग–अलग घरों से साढ़े तीन लाख की चोरी

रेउसा (सीतापुर)। थाना क्षेत्र के दो अलग अलग गांव के दो घरों पर धावा बोलकर चोरों ने करीब साढ़े तीन लाख का माल पार कर दिया। क्षेत्र के शिवपुरी गांव के निवासी आरिफ खां पुत्र स्व बाबू खां ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर उल्लेख किया है। शुक्रवार की रात को चोर घर के पड़ोस में बने शौचालय पर चढ़कर घर के अंदर प्रवेश कर गये। यहां घर के अंदर कमरों में रखी दो भाइयों के करीब तीन लाख के सोने चांदी के जेवर कपड़े चोर उठा ले गये। इसके साथ ही एक एंड्रायड मोबाइल फोन भी चोरी कर ले गए। वहीं बरौली गांव के निवासी रामसेवक पुत्र सुशील कुमार के यहां घर के मेन गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश कर गये। यहां से दस हजार की नकदी व चालिस हजार की गृहस्थी का सामान सहित दो घरों से करीब साढ़े तीन लाख का माल पार कर दिया। ग्रहस्वामियों ने घटनाओं के संबंध में थाने में प्रार्थना पत्र दे दिया है। क्षेत्र के आपराधिक वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं रेउसा कस्बे सहित क्षेत्र में आए दिन चोरी व लूट जैसी घटनाएं होती रहती हैं। पुलिस घटनाओं का खुलासा करने में नाकाम साबित हो रही है। भुक्त भोगियों का कहना है कि घटनाओं में जल्दी मुकदमे भी दर्ज नहीं किए जाते हैं। लगातार हो रही चोरी और लूट की घटनाओं से क्षेत्रवासी दहशत में हैं। वहीं पुलिसिया गश्त पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा हो रहा है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक रेउसा संतोष कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि प्रार्थना पत्र मिले हैं जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आग लगने से खाक हुई गृहस्थी

सोहावल अयोध्या। अज्ञात कारणों से लगी आग से पूरी गृहस्थी जलकर हुई राख हो गई आनन–फानन में गांव वालों ने फायर ब्रिगेड की सूचना दी लेकिन जब तक फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुंची तब तक गरीब का पूरा आशियाना जलकर राख हो चुका था। आग ने इस प्रकार तांडव मचाया था उस घर में कुछ भी नहीं बचा ।मिली जानकारी के अनुसार सुहावल क्षेत्र के मीरपुर कांटा मजरे साधु के पुरवा में शुक्रवार की शाम लगभग 5 बजे राम प्रगट यादव पुत्र मोतीलाल के घर में अचानक आग लग गई स आग लगते ही कोहराम मच गया गांव वालों ने पहुंचकर आग पर काबू पाना पाना चाहा लेकिन हवा की रफ्तार तेज होने के कारण आग बढ़ती ही गई और देखते ही देखते पूरा घर आकर चपेट में आ गया स आनन–फानन में इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने किसी तरह से आग पर काबू पाया लेकिन तब तक सब कुछ नष्ट हो चुका था। आग लगने के कारणों पूछे जाने पर ग्रह स्वामी राम प्रगट यादव ने बताया की आग लगने का मुख्य कारण घर में हुई सार सर्किट पर शक किया जा रहा है।

मांगें पूरी नहीं,तो जल्द होगा बड़ा आन्दोलन–डा. मनोज

लविवि प्रशासन की हठधर्मिता के खिलाफ लुआक्टा का जोरदार प्रदर्शन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्टा) ने धरना–प्रदर्शन करते हुए कुलपति से परिनियम में उल्लिखित ग्रीष्मावकाश और प्रतिकर अवकाश को परिभाषित न करने, विगत वर्षों के परीक्षा से संबंधित भुगतान नहीं करने एवं भुगतान के सम्बंध में दोहरी व्यवस्था लागू किये जाने और लविवि से सहयुक्त लखीमपुर, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई के शिक्षिकों को मूल्यांकन के समय ठहरने के लिए अलग परीक्षा भवन आवास का निर्माण, कक्ष निरीक्षक और परीक्षा मूल्यांकन के पश्चात तत्काल भुगतान किये जाने और महाविद्यालयों के सभी प्रोफेसर को परिनियम में उल्लिखित विवि की सभी आकादमिक समितियों का सदस्य बनायें जाने को लेकर आवाज बुलंद की। नए जिलों के जुड़ने के पश्चात शिक्षक कल्याण कोष में 60रू40 के स्थान पर 80रू20 किये जाने की मांग उठाई। इसके अलावा पीएचडी में प्रवेश के साथ ही शोधार्थी को शोध निदेशक दिये जाने एवं अनुदानित महाविद्यालयो में स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के छात्रों का परीक्षा केंद्र बनाये जाने के कारण उत्पन्न असुविधा आदि मुद्दों और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा पीएचडी अध्यादेश के विपरीत सीटों का आवंटन किये जाने एवं शिक्षकों को ऑनलाइन कोर्स वर्क न कराये जाने आदि समस्याओं के समाधान न किये जाने एवं विश्वविद्यालय द्वारा वार्ता में बनी सहमति (21 मई से अवकाश) के विपरीत ग्रीष्मावकाश का आदेश 4 जून 23 (रविवार) से 16 जुलाई 23 (रविवार) तक किये जाने के आदेश प्रदान किया। संगठन द्वारा पूर्व की भांति अवकाश के सम्बंध में कुलपति से पुनरू वार्ता की गई एवं पत्र द्वारा भी अवगत कराया गया तथा परिनियम की व्यवस्था के अनुसार संशोधित आदेश जारी करने का आग्रह किया गया जिस पर सहमति व्यक्त की गई। सूच्य है कि यूजीसी नियमन–2018 एवं परिनियमावली में दी गई व्यवस्था के अनुसार विश्वविद्यालय के शिक्षकों को 8 सप्ताह एवं महाविद्यालय के शिक्षकों को 10 सप्ताह अवकाश दिये जाने का प्रावधान किया गया है।

6 करोड़ 24 लाख से अधिक की जमीन करायी कब्जामुक्त

लखनऊ। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के प्रयासों से नगर निगम राजधानी में भूमाफियाओं पर निरंतर कार्रवाई करते हुए अपनी करोड़ों की जमीनों को अवैध कब्जों से खाली कराने में सक्रिय नजर आ रहा है।

इसी कड़ी में नगर निगम के प्रवर्तन अधिकारी कर्नल सत्येंद्र सिंह की देखरेख में संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर तहसील सदर के ग्राम–बरावन कला क्षेत्र में मौजूद नगर निगम की करीब 0.145 हेक्टेयर जमीन को कब्जामुक्त कराकर अवैध अतिक्रमण को हटाने की सफल कार्रवाई की गई।

उक्त के क्रम में ग्राम–बरावन कला तहसील–सदर में नगर निगम की लगभग 0.145 हेक्टेयर भूमि जिसकी खसरा 1213 है और जिसका बाजार मूल्य तकरीबन 6,24,08,000 रुपए है।

हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती महिला

अयोध्या। साहब मेरी बेटी को खोज दों। साल भर से दौड़ रही हूं। नम आंखों से एक बुजुर्ग महिला तहसील के सामने पुलिस के अधिकारियों से अपना दर्द बयां कर रही थी। बुजुर्ग महिला अनशन पर बैठी थी। महिला का स्वास्थ्य खराब होता जा रहा था। पुलिस के अधिकारी उसका अनशन तुड़वाने के लिए पहुंचे। पुलिस अधिकारियों के लाख प्रयास के बाद भी जब महिला ने अनशन नहीं तोड़ा तो उसे जबरन एम्बुलेंस पर लादकर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। मामला था खण्डासा के एक गांव का बताया जा रहा है। बुजुर्ग महिला का आरोप है कि अप्रैल 2022 से उसकी बेटी लापता है। पड़ोसी पर उसने अपहरण का आरेप लगाया है। परन्तु पुलिस मामले में कोई कारवाई नहीं कर रही है।

किसान मोर्चा की महिला उपाध्यक्ष आशा पाण्डेय ने बताया कि महिला द्वारा हर जगह अपलीकेशन दिया गया। 18 अप्रैल को एफआईआर दर्ज हुई। परन्तु पुलिस ने कोई कारवाई नहीं की। केवल आवश्वासन देती है। आज भी पुलिस के अधिकारियों ने 10 दिन के भीतर नाबालिग की बरामदगी का आश्वासन दिया है। आरोपितों को गिरफ्तार किया जाय। वही भाकियू के अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि महिला पहले थाने पर गयी। वहां से न्याय न मिलने पर वह सीओं व एसडीएम के पास गयी। इसके बाद एसएसपी के पास भी गयी। मुख्यमंत्री के यहां से भी बरामदगी का आदेश लेकर आयी। परन्तु पुलिस ने मामले में कोई कारवाई नहीं की। बोले एसपी ग्रामीण अतुल सोनकर ''बालिका की बरामदगी के लिए टीम का गठन किया गया है। जल्द बालिका को बरामद कर लिया जायेगा''।

शेरा व राजा को कांग्रेस में शामिल कराते जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव व सांसद निर्मल खत्री

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। देशभर में फैली नफरत और सांप्रदायिकता के खिलाफ अगर कोई पार्टी संघर्ष कर रही है तो वह कांग्रेस पार्टी ही कर रही है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रभावित होकर पूरे देश का धर्मनिरपेक्ष समुदाय आज कांग्रेस पार्टी में जुड़ना चाह रहा है। कांग्रेस कभी जाति और धर्म की बात नहीं करती कांग्रेस पार्टी में सभी जाति और धर्म के लोगों का समान रूप से आदर और सम्मान है। उक्त उद्गार पार्टी कार्यालय कमला नेहरू भवन पर पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने समाजवादी पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी छोड़कर आए सोहेब अख्तर उर्फ शेरा, कफील अहमद उर्फ राजा तथा उनके सैकड़ों साथियों का कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते हुए कही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से समाजवादी पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल मोहम्मद शहबाज सिद्दीकी, एडवोकेट सैयद फरहान अहमद ,सैफी मोहम्मद, आमिर, मोहम्मद रफी सिद्दीकी, बाबा मोहम्मद यूसुफ, शिबू, मोहम्मद रियाज ,रीनू ,शमशेर खान साहब, सिद्दीकी, मोहम्मद साहिल ,मोहम्मद शेख, मोहम्मद फैज, मोहम्मद अमीर ,सोनू ,जियाउल हक, सम्ससाबरी, खालिद स्माइली ,सरताज खान ,मोहम्मद यूसुफ ,शेरू, मोहम्मद कामिल, मोहम्मद अदनान ,रेहान अहमद, आदिल अहमद आदि प्रमुख रहे।

कांग्रेस पार्टी में शामिल सभी लोगों को जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस पार्टी का झंडा थमा कर उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने बताया समाजवादी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल सदस्यों ने कहां समाजवादी पार्टी मुसलमानों का वोट तो ले लेती है परंतु सांप्रदायिक शक्तियों से लड़ने के लिए वह कभी सड़कों पर नहीं आती। पूरे प्रदेश के मुसलमानों का समाजवादी पार्टी से मोहभंग हो गया है और प्रत्येक अल्पसंख्यक वर्ग का व्यक्ति केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिकायत से झल्लाई सचिव ने प्रधानों को दी धमकी

रायबरेली। लापरवाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना ग्राम प्रधानों को भारी पड़ रहा है। ग्राम पंचायत सचिव के खिलाफ बीते दिनों ग्राम प्रधानों ने एकजुट होकर भ्रष्टाचार व लापरवाही को लेकर डीएम से शिकायत की थी। शिकायत से झल्लाई ग्राम सचिव ने गांव में पहुंचकर प्रधानों को महिला अपराधों में फंसाने की धमकी दे डाली। पंचायत सचिव की इस धमकी के बाद बड़ी संख्या में प्रधानों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया है और कार्यवाही की मांग की है। शनिवार को राही ब्लाक के बालेपुर ग्राम प्रधान रामकुमार, सेमरा ग्राम प्रधान चंदन सिंह, भदोखर ग्राम प्रधान सहित अन्य कई प्रधानों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर शिकायती पत्र देते हुए बताया कि बालेपुर ग्राम की सचिव अंजली पांडे द्वारा लगातार उन्हें प्रताड़ित वह महिला अपराधों में फंसाए जाने की धमकी दी जा रही है। जिसको लेकर पहले भी डीएम से मामले की शिकायत की जा चुकी है। लेकिन महिला सचिव पर कोई कार्यवाही न होने से गांव में जाकर वह प्रधानों को महिला अपराधों में फंसाने की धमकी दे रही है।

आवारा सांड के हमले से ग्रामीण की उपचार दौरान मौत

कमलापुर (सीतापुर)। विकासखंड कसमंडा की ग्राम पंचायत सरवा जलालपुर थाना रामपुर कला में गुरुवार को विजय पुत्र बलराम सिंह 36 वर्ष को आवारा पशुओं ने इस प्रकार मारा कि वह काफी देर तक बेहोश रहा। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने आसपास गांव में बैठे सभी आवारा जानवरों को घेरकर प्राथमिक विद्यालय सरवा जलालपुर के प्रांगण में बंद कर दिया। सूचना पाकर मौके पर मय फोर्स थाना इंचार्ज रामपुर कला जीतेंद्र बहादुर सिंह, ब्लॉक कसमंडा प्रभारी शिव प्रकाश दुबे, एडीओ पंचायत दिनेश यादव, ग्राम विकास अधिकारी रविकांत शुक्ला पहुंचकर ग्रामीणों को समझा–बुझाकर पशुओं को आजाद करवाने की काफी कोशिश की परंतु स्थिति न सभलते देख थाना प्रभारी निरीक्षक वहीं डेरा डाले रहे। क्षेत्रीय लेखपाल संजीव दीक्षित तथा नायब तहसीलदार मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। ग्रामीण जन, गौशाला बनाने के लिए प्रधान उमेश कुमार सिंह तथा लेखपाल संजीव दीक्षित आदि पर पूर्ण दबाव बनाते नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक इन पशुओं का स्थाई समाधान नहीं होगा। तब तक इन पशुओं को इसी प्रांगण में बंद रखा जाएगा। नायाब तहसीलदार सिधौली ने लेखपाल संजीव दीक्षित को तत्काल गौशाला के लिए स्थान का चयन करने को कहा और संबंधित अधिकारियों को सभी आवारा मवेशियों को निकट के गौशालाओं में पहुंचाने का निर्देश दिया। ग्राम प्रधान उमेश कुमार सिंह के अनुसार गुरुवार को ही को ट्राली, ट्रैक्टर से गौशालाओं में पहुंचाया जा रहा था। शेष बचे हुए जानवरों को शुक्रवार को सुबह ग्रामीणों की मदद से लादा जा रहा था। तभी एक सांड ट्राली से नीचे कूदा और वहीं पर जानवरों को लादने में मदद कर रहे राजेंद्र प्रसाद शुक्ल उर्फ गुड्डू महराज पुत्र विशुन कुमार शुक्ला निवासी सरवा को घायल कर दिया। जिन्हें तत्काल ग्रामीणों की मदद से निजी वाहन में लादकर कंदूनी स्थानीय चिकित्सक को दिखाया गया। परंतु देखते ही चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर ले जाने को कहा उन्हें तत्काल ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां पर घायल की मौत हो गई। मृतक अपने पीछे परिवार में तीन पुत्र व एक पुत्री छोड़ गया है। जिसमें एक पुत्र और पुत्री की शादी नहीं हुई है। इनके बुजुर्ग माता पिता का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

पुलिस ने किया ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

हरदोई। प्रधान के रिश्तेदार की गोली मार कर हत्या नहीं की गई थी, बल्कि उसने एक–तरफा प्यार में पागल हो कर खुद ही खुद को गोली से उड़ा दिया। एसपी राजेश द्विवेदी ने इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए कहा है कि प्रधान के नौकर इस सारे मामले का चश्मदीद था और उसी की गवाही के अलावा जो क्लू हाथ लगे हैं, उससे पता चला है कि एक–तरफा प्यार में ऐसा कदम उठाया गया।

बताते चलें कि 11 मई की सुबह लोनार थाने के बरवन निवासी और मझिगवां कुलिया के प्रधान रामवीर सिंह का रिश्तेदार नारायण सिंह निवासी जगसरा थाना अतरौली का शव गांव के बाहर खून से लथपथ खेत में पड़ा हुआ था। इस मामले में नारायण के बहनोई सौरभ सिंह ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 302 का मामला दर्ज कराया था।

वारदात का पता होते ही एसपी राजेश द्विवेदी, एएसपी पश्चिमी दुर्गेश कुमार सिंह और सीओ हरपालपुर सत्येन्द्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और वारदात से जुड़े पहलुओं पर गहराई से छानबीन की। उसके बाद एसपी के निर्देश पर इसके खुलासे के लिए पुलिस की टीमें तैयार की गई और इलाकाई पुलिस के अलावा एसओजी, सर्विलांस और स्वाट टीम को भी लगाया गया था।

शनिवार को एसपी श्री द्विवेदी ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि नारायण सिंह एक–तरफा प्यार में पागल था। वह 10 मई की रात को खेत पर काम कर रहे नौकरों के लिए खाना ले कर गया हुआ था। वहां काम कर रहे नौकर लल्ला निवासी शेखपुर थाना हरपालपुर ने पुलिस को बताया था कि उसने नारायण को खुद से गोली मारते हुए देखा था,लेकिन इस मामले में कहीं उसका नाम न आ जाए,जिसके डर से वह भाग गया था। पुलिस ने नौकर की गवाही और गांव वालों से हुई पूछताछ के बाद ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर लिया गया है। एसपी ने बताया कि नारायण ने जिस तमंचे से खुद को गोली मारी थी,उसे रेत के नीचे से बरामद कर लिया गया है।

प्रेम प्रसंग में नर्स की हत्या का खुलासा

मलिहाबाद,लखनऊ । बीते 11 अप्रैल को रहीमाबाद थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर नर्स का शव मिला था जिसमें परिजनों ने रंजिश में गांव के ही लोगों पर मुकदमा पंजीकृत कराया था। पीएम रिपोर्ट में नर्स की हत्या का पता चला जिसके बाद पुलिस की छानबीन में प्रेम प्रसंग की बात सामने आई। पुलिस ने हत्या की घटना का खुलासा करते हुए आरोपियों को जेल भेज दिया है। वही हत्या में शामिल आरोपी के परिजनों ने रहीमाबाद थाने पर पहुंचकर 1 घंटे तक फर्जी फसाने का पुलिस पर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के मुड़ियारा गांव की रहने वाली रजनी सत्रह वर्ष लखनऊ दुबग्गा पर न्यू मेडी प्लस अस्पताल में नर्स का काम कर रही थी। जिसका शव ग्यारह अप्रैल को साम गोसवा रेलवे फाटक के पास मिला था। परिजनों ने रंजिश के चलते गांव के दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस गिरफ्त में मारपीट के आरोपी

गोसाईगंज–अयोध्या। थाना महराजगंज क्षेत्र में बीती शाम दो पक्षो में हुई मारपीट में घायल एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मामले में इलाकाई पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर चार नामजद आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। दिए गए तहरीर में बनगंवा निवासी दिनेश विश्वकर्मा पुत्र रघुबीर का कहना है कि बीती शाम5बजे उसका भाई महेश पिता रघुबीर के साथ अपने घर पर बैठा था। उसी समय मोतीराम का पुरवा दलपतपुर निवासी सचिन कोरी अपने घर की तरफ से जा रहा था,जिसे गांव के कुत्ते ने दौड़ा लिया। जिसपर सचिन ने कुत्ते को पत्थर से मारा। आरओ है कि जब महेश ने मारने से मना किया तो सचिन विवाद पर उतर आया। उसके बाद सचिन ने अपनी माता लक्ष्मी, पिता संतराम व आदित्य आदि को बुला लाया। सभी लोग लाठी,डंडा,बसुली, व सब्बल से लैश थे और आते ही अपशब्दो के साथ जान से मारने की बात करते हुए घर मे घुसकर महेश पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट में उसके सिर में गम्भीर चोट लगने से गिरकर बेहोश हो गया। बीच बचाव करने दौड़े पिता व उसे भी हमलावरो ने नही बख्सा और बुरी तरह से मारा पीटा। उसके भाई महेश को मरा जानकर हमलावरों ने भाग लिया। गांव वालों की मदद से भाई महेश को एम्बुलेंस से लेकर दर्शन नगर मंडलीय अस्पताल ले गए,जंहा चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी होते ही सीओ सदर,महराजगंज पुलिस,गोसाईगंज पुलिस के साथ कई थानों की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर पड़ताल किया। थाना प्रभारी अनुपम मिश्र ने बताया कि मामले में चारो आरोपितों के खिध्लाफ केस दर्जकर शनिवार दोपहर आरोपित संतराम कोरी पुत्र सुखलाल, आदित्य पुत्र शंकर, सचिन कोरी पुत्र संतराम कोरी व लक्ष्मी पत्नी संतराम निवासी मोतीराम का पुरवा थाना महाराजगंज को थाना क्षेत्र के देवगढ़ नहर की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनो घायलों का अभी भी इलाज चल रहा है और गांव में शांति बहाली के लिए पुलिस बल को तैनात किया गया है।

200 वर्षो का इतिहास समेटे है हिंदी पत्रकारिताः प्रोफेसर पांडे

हिंदी पत्रकारिता और साहित्य निर्माण विषयक संगोष्ठी का आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। हिंदी पत्रकारिता 200 वर्षों के इतिहास को समेटे है। स्वतंत्रता आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम हिंदी पत्रकारिता ने ही किया था। स्वावलंबी भारत, स्वाभिमानी भारत, स्वदेशी भारत, अस्पृश्यता का विरोध करने वाला भारत और स्वभाषा के विकास के लिए प्रयत्नशील भारत का निर्माण इसी हिंदी पत्रकारिता के ही माध्यम से हो रहा है। तिलक हों, मालवीय हों, भारतेंदु हों सब हिंदी की पुनर्जागरण कालीन पत्रकारिता के गवाह हैं। पत्रकारिता से साहित्य प्रभावित होता है। समर्थ साहित्य के पीछे राजनीति चलती है। हिंदी पत्रकारिता यात्रा वृतांत को भी अपने में समेटे हुए है। भारत की पत्रकारिता स्वतंत्रता आंदोलन की लौ के साथ–साथ सब प्रकार की सामाजिक कुरीतियों के निराकरण की भी पत्रकारिता है। उक्त बातें हिंदुस्तानी एकेडमी सभागार में शहिंदी पत्रकारिता और साहित्य निर्माणश विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय से पधारे प्रो. नंद किशोर पांडेय ने कहीं। कालीकट विश्वविद्यालय केरल के प्रो. प्रमोद कोपप्रत ने कहा कि दक्षिण में भी हिंदी और हिंदी पत्रकारिता की जड़ें मौजूद हैं। 1918 से लेकर आज तक दक्षिण में हिंदी पत्रकारिता उत्तरोत्तर समृद्ध हुई है। 1927 में हिंदी प्रचार सभा द्वारा निकाली गई श्दक्षिण भारतश पत्रिका हो या फिर बाद की श्भारत वाणीश और श्केरल भारतीश जैसी पत्रिकाएं हो ये सब अखंड और समर्थ भारत के निर्माण के लिए प्रयत्नशील पत्रकारिता का हिस्सा रहीं हैं।उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने कहा की विश्वसनीयता, ग्राह्यता, पठनीयता पत्रकारिता की बड़ी विशेषताएं हैं। पत्रकारिता जिस अंडर लाइन करंट से चलती है वह करंट समाज बोध और राष्ट्रबोध के सिवा और कुछ नहीं हो सकता। कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र में बोलते हुए द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक हिंदी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाज निर्माण ही नहीं करती, साहित्य निर्माण ही नहीं करती बल्कि राष्ट्रबोध और अखंडता की भी संवाहक होती है। मर्यादा, माधुरी, हंस, कल्पना, सरस्वती, प्रदीप, बाला बोधिनी, हरिश्चंद्र मैगजीन जैसी पत्रिकाओं ने इस देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. अमरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि पूर्वोत्तर सहित समग्र भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में यदि कोई विधा सफल हुई है तो वह हिंदी पत्रकारिता ही है। नेहरू ग्राम भारती की डॉ. ममता मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय भावना का निर्माण हो या समाज के यथार्थ बोध का प्रकटीकरण पत्रकारिता इसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।
उद्घाटन सत्र का संचालन इलाहाबाद विश्वविद्यालय की डॉ. सुरभि त्रिपाठी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. चितरंजन कुमार ने किया। जबकि दूसरे तकनीकी सत्र का संचालन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. विजय कुमार रविदास ने और धन्यवाद ज्ञापन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. शिव कुमार यादव ने किया।

भाजपाइयों ने महासंपर्क अभियान को लेकर बैठक में तय की रूप रेखा

प्रतापगढ़। भाजपा कार्यालय पर शनिवार को महासंपर्क अभियान को लेकर जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र व काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता की उपस्थिति में रूपरेखा तय की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर केन्द्र व राज्य सराकर की उपलब्धियाँ लोगों को गिनानी हैं। इसके लिए लोकसभा स्तर पर कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाना है।
मीडिया के जरिए केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के फासदे लोगों को बताना है। प्रत्येक विधानसभा क्ष्धेत्रों में विभिन्न प्रकार के सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे। चीफ गेस्ट अवधेश गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रभावशाली लोगों से मिलकर सकरकार की उपलब्धियां गिनाना है। उन्हें अपने साथ जोड़ते हुए वोटर्स पर पूरा ध्यान फोकस करना है। उन्होंने कहा कि 21 जून को योग दिवस को शक्ति केन्द्र स्तर पर किया जाना है। इस कार्य में कार्यकर्ता, मोर्चा पदाधिकारी आदि का सहयोग लिया जाएगा। बैठक का संचालन जिला महामंत्री पवन गौतम ने किया।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का चतुर मुखी विकास हुआः डॉ. गौड़

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर की कार्यसमिति की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह गौड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ वर्ष के कालखंड में देश का चतुर्मुखी विकास हुआ और देश विकास की ऊंचाइयों को छूने का कार्य किया है। मोदी के नेतृत्व में भारत का डंका पूरे विश्व में बजता हुआ दिखाई दे रहा है। इस अवसर पर सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि नगर निगम में मिली प्रचंड जीत आने वाले लोकसभा का आगाज है। सांसद केसरी पटेल ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश का बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ। इसके अलावा विधान परिषद सदस्य केपी श्रीवास्तव एवं निर्मला पासवान ने अपने विचार रखे।
इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नवनिर्वाचित महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता के साथ विकास की नई धारा बनकर एक नए भारत का निर्माण कर रहा है। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल के उपलक्ष्य में 1 जून से 30 जून तक लोकसभा एवं विधानसभा स्तर पर जनसभा एवं प्रेस वार्ता, प्रबुद्ध सम्मेलन, व्यापारी सम्मेलन, सोशल मीडिया वॉलिंटियर मीट सम्मेलन, विकास तीर्थ का अवलोकन, वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक, मोर्चा का संयुक्त सम्मेलन, योग दिवस एवं मन की बात और डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा 21 जून से 30 जून तक घर–घर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक का संचालन कुंज बिहारी मिश्रा एवं धन्यवाद वरुण केसरवानी ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, रणजीत सिंह, राजेंद्र मिश्रा, मुरारी लाल अग्रवाल, शशि वार्ष्णेय, देवेश सिंह, रमेश पासी, राजेश केसरवानी, विजय श्रीवास्तव, विवेक अग्रवाल, राजू पाठक, प्रमोद मोदी, राघवेंद्र सिंह, सुभाष वैश्य, आभा मधुर श्रीवास्तव, राजन शुक्ला, शिखा रस्तोगी, रोहित पप्पू पांडे, मनोज कुमार कुशवाहा, राजेश सिंह पटेल, मनीष केसरवानी, शैलेंद्र गुप्ता, नितिन केसरवानी,एवं नवनिर्वाचित पार्षद कार्ड और महानगर कार्यसमिति के सभी सदस्य गण एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरे

प्रस्तुतिपरक ग्रीष्मकालीन बाल रंग कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

प्रयागराज। मम्फोर्डगंज स्थित राष्ट्रीय शिशु विद्यालय मे शनिवार को साथ से सत्रह आयु वर्ग के बच्चों के सृजनात्मक, कलात्मक और व्यक्तित्व विकास के लिए प्रबुद्ध फाउंडेशन, डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा), देवपती मेमोरियल ट्रस्ट और बाबासाहेब शादी डाट काम के संयुक्त तत्वधान में प्रबुद्ध फाउंडेशन के प्रबंधक सचिव उच्च न्यायालय के अधिवक्ता रंगकर्मी, रंग निर्देशक आईपी रामबृज की देखरेख मे प्रस्तुतिपरक ग्रीष्मकालीन बाल रंग कार्यशाला का शुभारंभ मम्फोर्डगंज स्थित राष्ट्रीय शिशु विद्यालय में किया गया। प्रस्तुतिपरक रंग कार्यशाला में शनिवार को प्रतिभागी सभी बच्चों को कॉपी और कलम भेंटकर उनके सृजनात्मक, कलात्मक और व्यक्तित्व विकास के विषय मे प्रकाश डाला गया। कार्यशाला के संयोजक आईपी रामबृज ने पूछे जाने पर बताया कि प्रतिभागी बच्चो को एक ओर जहां नृत्य, नाटक व गायन के विविध कला आयामों के विषय मे प्रशिक्षण दिया जाएगा तो वही दूसरी ओर सभी बच्चो को बहुजन समाज की ढाई हजार साल पहले की खोई खोई हुई भारत की मूल समण संस्कृति या मूलनिवासी संस्कृति या बहुजन संस्कृति या बौद्ध संस्कृति से रूबरू कराकर उन्हें अंधविश्वास, पाखंड और कुरीतियों से मुक्त कराकर भारतीय संविधान के अनुरूप वैज्ञानिक सोच पर आधारित समण एवं बौद्ध संस्कृति को पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी भिज्ञ कराया जाएगा। प्रतिभागी बच्चे बहुजन समाज के प्राचीनतम साहित्य, कला और संस्कृति के साथ इतिहास से भी अभिभूत होंगे।

बिजली चोरी में 30 का खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। उपखंड फोर्ट रोड विद्युत विभाग के अधिकारियों ने की बड़ी कार्रवाई करते हुए30 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी करते पाए जाने पर एफआईआर दर्ज करवाया गया। यह कार्रवाई दारागंज, बख्शी खुर्द एवम बख्शी कला में हुई।इसमें उपखंड अधिकारी विकास ओझा, जेई बक्सीबांध दीपक सिंह ,जेई दारागंज सोभनाथ सरोज, लाइनमैन अजय मिश्रा, रोहित कनौजिया, अरविंद यादव की टीम द्वारा प्रातःकालीन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिससे रात्रि में कटिया लगा कर विद्युत चोरी करने वालों को पकड़ा गया। इन लोगों द्वारा ट्रांसफार्मर पर अनावश्यक भर बढ़ाया जाता है अनबैलेंस कर दिया जाता है। कभी कभी तो केबल में आग लग जाती है। और तो और कभी कभी ट्रांसफार्मर तक जल जाता है। जिससे रात्रि काल में जनता को विद्युत कटौती का सामना करना पड़ता है। ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए ऐसी कार्रवाई की जा रही है एवम आगे भी औचक रूप से की जाती रहेगी। अधिकारियों ने अनुरोध किया है कि बिजली चोरी न करे एवम रास्ता हित में बिजली बचाए।

विधायक हर्षवर्धन बाजपेई का मुकदमा समाप्त

प्रयागराज। 11 साल पहले शिवकुटी क्षेत्र में सड़क हादसे में हुई मौत मामले में सैकड़ों लोगों के साथ हाईवे जाम कर पुलिस का विरोध करने के मामले में एमएलए हर्षवर्धन बाजपाई को अदालत से बड़ी राहत मिली है। सिविल जजध् मजिस्ट्रेट एमपीध् एमएलए कोर्ट नवनीत सिंह ने पर्याप्त आधार पाते हुए अभियोजन अधिकारी की दफा 321 सीआरपीसी की अर्जी को मंजूर करते हुए उक्त मामले में विधायक को डिस्चार्ज कर दिया है। जिससे अब यह मुकदमा समाप्त हो गया है। डीजीसी गुलाब चंद्र अग्रहरी ने बताया कि 17 जनवरी 2012 को शिवकुटी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में हुई मौत मामले को लेकर हर्षवर्धन बाजपेई पर आरोप था कि सैकड़ों समर्थकों के साथ नेशनल हाईवे जाम कर नारा लगाते हुए पुलिस का विरोध कर रहे थे। उसके बाद सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उसी मामले को वापस लेने के लिए शासन के निर्देश के बाद सहायक अभियोजन अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता द्वारा उक्त अदालत में सीआरपीसी की धारा 321 के तहत अर्जी दी गई थी। मामला चार्ज बनाए जाने के स्तर पर था। अदालत ने पत्रावली के अवलोकन के बाद हर्षवर्धन बाजपेई को उक्त मामले में डिस्चार्ज कर दिया। बता दें कि बरी होना आपराधिक मामले में एक फैसला है, कि आरोपी अपराध का दोषी नहीं है। जबकि डिस्चार्ज मजिस्ट्रेट द्वारा दिया गया एक आदेश है, कि आरोपी के खिलाफ आगे की कार्यवाही का नेतृत्व करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन ने किया महापौर का अभिनंदन

प्रयागराज। इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष, पदाधिकारीगण एवं मेंबर्स ने नवनिर्वाचित महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी का माल्यार्पण, पुष्प गुच्छ देकर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अध्यक्ष के सम्बोधन में सभी सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी गई एवं आने वाले समय में साथ मिलकर शहरवासियों की निरन्तर सेवा का संकल्प लिया गया। साथ साथ गेस्ट हाउस संचालको की कुछ जायज समस्याओं को भी महापौर की जानकारी में रखा एवं निराकरण के लिये साथ मिलकर जरूरी कदम उठायें जाएंगे ऐसी अतिमहत्वपूर्ण वार्तालाप हो सकी। अन्त में महापौर को गेस्ट हाउस एसोसिएशन का मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। हमारे सभी एक्टिव मेंबर की उपस्थिति अति सराहनीय रही।

राजीव गांधी का 32वां शहादत दिवस आज

प्रयागराज। भारत–रत्न राजीव गांधी का 32वां शहादत दिवस रविवार 21मई को प्रातः 10 बजे उनके पैतृक आवास आनंद भवन में आयोजित होगा। समारोह में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह सहित अन्य नेता गण भी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। समारोह में एआईसीसी, पीसीसी सदस्यों के अलावा समस्त वरिष्ठ कांग्रेसजन शामिल होंगे।

युवा उत्सव इंडिया 2047 कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन से शुभारंभ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा राज्य शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान, एलनगंज में प्रधानमंत्री के पंच प्रण आधारित युवा उत्सव इंडिया / 2047 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 05 प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन पेंटिंग, कविता, भाषण प्रतियोगिता, मोबाइल फोटोग्राफी, सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं व उत्पादों की जानकारी से सम्बंधित स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद रीता बहुगुणा जोशी के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया
सांसद डॉ. रीता जोशी ने कहा हमें अपनी मातृभूमि और मातृभाषा दोनों का ध्यान रखना चाहिए और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए पंच प्रणों पर रणनीति बनाकर देश के विकास के लिए आगे आना होगा।

विषय ''2047 में सपनों के भारत के निर्माण हेतु पंच प्रण–युवा शक्ति से जनभागीदारी'' पर विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गयी। निर्णायक मंडल सदस्य में प्रभाकर त्रिपाठी, लेक्चरर, जीआईसी, के एन दुबे, सेवानिवृत उपनिदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन, डा0 अशोक पांडेय, प्रोफेसर, ईसीसी, बृजेश प्रजापति, एडिटर यूथ कॉर्नर, किंजल, मनीष मिश्रा, दीप्ति, नितेश, कृष्णा, तनु सोनकर, तनु , डा ० आभा श्रीवास्तव, डा ० संगीता श्रीवस्ताव, प्रोफेसर सी एम पी जय प्रकाश सिंह ने प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल सदस्यों के रूप में भूमिका अदा की एवं अंक प्रदान कर निर्णय देते हुए प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं की घोषणा की।

मजदूर ने एक दूसरे मजदूर को उतारा मौत के घाट, ईट भट्ठे पर मची अफरा–तफरी

कुशीनगर। जनपद केध चौराखास थाना क्षेत्र के रहसु जनूबीपट्टी गाँव के पुरैना टोला स्थित ईट–भट्ठे पर एक मजदूर को कुदाल से काटकर हत्या किए जाने की बात जैसी ही गाँव मे पहुँची, लोग ईट–भट्ठे की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। एक व्यक्ति का खून से लथपथ पड़ा शव और उसके बेटे को खून से लतपथ हालत में गम्भीर हालत में देख अफरा–तफरी मच गई। रात में ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। उसके बाद तत्काल घायल युवक को फाजिलनगर सीएचसी भेजा गया। ग्रामीणों की माने तो देवरिया जिले के बरहज थाना क्षेत्र के पचौआ गाँव के रहने वाले दोनों मजदूरों में पहले भी विवाद हुआ था। शाम को भी दोनों मजदूरों के बीच झगड़ा होने की बात कही जा रही है,लेकिन उस समय ग्रामीणों ने समझा–बुझाकर उन्हें शांत कर दिया,लेकिन रात में करीब सवा आठ बजे दोनों फिर झगड़ गए।

हालैंड हाल छात्रावास में वाश आउट

प्रयागराज। इविवि के हालैंड हाल छात्रावास में अवैध छात्रों को हटाने के लिए प्रशासन वाश आउट अभियान चला। सुबह से ही रैपिड एक्शन फोर्स और पीएसी के जवान छात्रावास के चारों तरफ तैनात कर दिए गए। 10:30 बजे से छात्रावास को खाली कराने के लिए पुलिस टीमें अंदर प्रवेश कीं और ज्यादातर कमरे खाली कराए गए हैं। वाश आउट का विरोध कर रहे छात्र नेता सत्यम कुशवाहा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के डर से कई छात्र नेता वहां से भाग खड़े हुए। छात्र नेता की गिरफ्तारी के बाद छात्रावास खाली नहीं करने पर आने छात्र भी अपना सामान धीरे–धीरे निकाल कर बाहर रखने लगे। दोपहर 12:00 बजे तक ज्यादातर कमरों से सामान बाहर निकाला जा चुका है।
हालैंड हाल छात्रावास में पिछले तीन वर्षों से सभी कमरों पर छात्रों ने अवैध कब्जा कर रखा है। छात्रावास के आक्सफोर्ड और कैंब्रिज ब्लॉक में असामाजिक तत्वों ने भी कब्जा कर रखा है। शहर में बम बाजी की कई घटनाओं में हालैंड और छात्रावास के अवैध अंतःवासियों का नाम भी सामने आया था।
छात्रावास से अवैध कब्जे हटाने के लिए विलियम हालैंड ट्रस्ट ने डॉ रंजीत सिंह को छात्रावास का वार्डन बनाकर भेजा था। रंजीत सिंह ने छात्रावासों में नए सिरे से आवंटन प्रक्रिया शुरू की। आवेदन मांगे गए और छात्रों का अलाटमेंट भी किया गया। छात्रावास में रह रहे हैं अवैध अंतेवासी कमरा खाली करने को तैयार नहीं थे। इसकी वजह से छात्रों को कमरों का आवंटन नहीं हो पा रहा था। इसके बाद छात्रावास को पूरी तरह से वाश आउट करने का निर्णय लिया गया। शनिवार सुबह से ही भारी पुलिस फोर्स की तैनाती छात्रावास के आसपास कर दी गई है। पुलिस अभियान चलाकर अब छात्रावास को खाली करा रही है।

दहेत उत्पीड़त में पति, देवर और ससुर को तीन–तीन साल की सजा

मुजफ्फरनगर। दहेज उत्पीडन में महिला के पति, देवर और ससुर को तीन–तीन साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। विशेष जज पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के पीठासीन अधिकरी रितेश सचदेवा ने फैसला सुनाया। सहायक शासकीय अधिवक्ता कुलदीप पुंडीर और वादी के अधिवक्ता सौराज मलिक ने बताया कि पीड़िता की शादी 21 नवंबर 2013 को शामली जिले के कनियान गांव निवासी गौरव के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से पीड़िता को ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित किया। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया। प्रकरण की सुनवाई विशेष जज पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के पीठासीन अधिकरी रितिश सचदेवा ने की। दोषी पति गौरव, देवर सौरभ और ससुर मांगेराम को धारा 498 ए, 506 में तीन–तीन साल के कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 354 में मांगेराम को तीन साल की सजा और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

काला धन, महंगाई, बेरोजगारी पर अंकुश लगाने मे विफल रही भाजपा सरकार

प्रयागराज। रिजर्व बैंक आफ इण्डिया द्वारा 2 हजार के नोट को आगामी 30 सितम्बर तक ही लीगल टेंडर की घोषणा जारी करने के बाद देश मे एक बार फिर अफरा –तफरी मचेगी। काला धन, महंगाई, बेरोजगारी पर अंकुश लगाने के दावों मे सफलता पाने मे पूरी तरह से विफल भाजपा सरकार के कार्यकाल मे स्विस बैंक मे दो गुना रकम जमा होने की खबरें आती रही हैं। देश मे ही तमाम नौकरशाहों, उद्योगपतियों आदि के घर पर भारी मात्रा मे नकदी रकम बरामद होने की भी खबरें आम है। रिजर्व बैंक की इस घोषणा से देश की आम जनता पुनः नोट बंदी के दंश को झेलेगी। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय मे नेताओं ने बैठक कर रिजर्व बैंक की घोषणा पर चर्चा करते हुए ये आशंका जाहिर की हैं। सपा जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि 8 नवम्बर 2016 को रात्रि 8 बजे देश के प्रधानमंत्री द्वारा एक हजार और पांच सौ के नोट बंदी की घोषणा के बाद जो हालात हुए किसी से छुपे नहीं हैं। लोग अपने ही पैसे को पाने के लिये बैंकों मे लाइन लगाते दिखे, पुलिस की लाठियाँ खाई इतना ही नहीं गर्भवती माताओं ने लाइन मे खड़े होने के समय बच्चे भी जने। उत्तर प्रदेश के खजाँची की चर्चा पूरे देश मे हुई। जिलाध्यक्ष यमुनापार पप्पू लाल निषाद एवं महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि लगभग 35 लाख नौकरियां खत्म हो गई, करोड़ों कंपनियों, छोटे मोटे रोजगार कर घर चलाने वालों के धंधे बंद हो गए। सपा के मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर ने कहा हैं कि केंद्र मे बैठी भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी खत्म नहीं कर पा रही है। सरकार की अदूरदर्शी नीति के चलते हालाकान देश की जनता आगामी 2024मे भाजपा को इसका सबक जरूर सिखाएगी। बैठक मे प्रमुख रूप से अनिल यादव, पप्पू लाल निषाद, सैयद इफ्तेखार हुसैन, पंधारी यादव, कमला यादव, दूध नाथ पटेल, दान बहादुर मधुर, आर एन यादव, अमर नाथ मौर्या ,रमाकांत पटेल नाटे चौधरी, संतलाल वर्मा, सचिन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

उद्यमियों के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

- ओडीओपी वित्तपोषण योजना बनी मददगार
- प्रयागराज में योजना में 100 फीसदी लक्ष्य हासिल

प्रयागराज। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है एक जनपद–एक उत्पाद योजना। अगर आप इस योजना के अंतर्गत कोई उद्योग या कारखाना स्थापित चाहते हैं तो अब पैसा आपके आड़े नहीं आएगा। प्रयागराज में सरकार की एक जनपद– एक उत्पाद वित्त पोषण योजनाष इसके लिए कारगर विकल्प साबित हो रही है। प्रदेश में ओडीओपी की नई इकाइयां स्थापित करने और लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार ने उद्यमियों के लिए एक बार फिर से खजाना खोल दिया है। प्रयागराज में एक जनपद–एक उत्पाद वित्त पोषण योजना ने निर्धारित लक्ष्य का 100 फीसदी से अधिक की पूर्ति कर ली है। संयुक्त आयुक्त उद्योग लालजीत सिंह बताते हैं कि जिले में वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए 120.00 लाख का वित्त पोषण का लक्ष्य रखा गया था जिसके सापेक्ष विभाग ने ₹166.75 लाख की पूर्ति की है। उद्यमियों में इस योजना को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला है और योजना ने तय समय में लक्ष्य का 100 फीसदी से अधिक हासिल कर लिया है। जिले में इस वित्तीय वर्ष में 35 इकाइयों की स्थापना की गई है। इनमे 99 फीसदी इकाइयों में उत्पादन भी शुरू हो चुका है। इन 35 इकाइयों में 3 इकाइयां मूंज और इसके उत्पाद से जुड़ी हुई हैं जबकि शेष सभी 32 इकाइयां खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से संबंधित हैं। जिला उद्योग केंद्र की तरफ से पिछले वित्तीय वर्ष का रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल करने के बाद वित्तीय वर्ष 2023–24 खाका भी तैयार कर लिया गया है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में विभाग ने ₹ 120.00 लाख की वित्तीय मदद का लक्ष्य रखा है । इसके लिए ऑनलाइन आवेदन भी मांगे जा रहे हैं। इस योजना के तहत जिले के चयनित ओडीओपी मूंज और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की विभिन्न विधाओं में कार्यरत अथवा कार्य करने के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

लाभार्थियों को क्या–क्या मिलेगा लाभ

प्रयागराज। इस योजना के अंतर्गत चयनित उत्पाद के उत्पादन एवं विपणन हेतु अधिकतम तीन करोड़ तक के ऋण का प्रावधान है । योजना के अंतर्गत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों द्वारा परियोजना लागत का 10 फीसदी तथा अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक , महिला एवं दिव्यांगजन लाभार्थियों को परियोजना लागत का 5: अंशदान के रूप में जमा करना होता है। इसमें इसमें 25 लाख तक के ऋण पर अधिकतम 25: तक की सब्सिडी, 25 लाख से 50 लाख तक 20: की सब्सिडी, 50 लाख से 1.50 करोड़ तक न्यूनतम 10: तक , और 1.50 करोड़ से 3 करोड़ तक 10: या 20 लाख तक की सब्सिडी दी जाती है।

आई 202 शिकायतें डीएम ने 6 का किया मौके पर निस्तारण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील सोरांव में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने लोगो की शिकायतें सुनते हुए राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को टीम बनाने एवं मौके पर जाकर प्रकरण की जांच कर शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये है। उन्होंने प्रत्येक राजस्व निरीक्षक के क्षेत्र में आने वाले थानों की सूची मांगी तथा प्रत्येक थाने से सम्बंधित 5–5 शिकायतों को छटनी कर तत्काल जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा है कि शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता को संतुष्ट भी होना चाहिए। जिलाधिकारी ने प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, कार्रवाई एवं समस्याओं के निस्तारण के लिए निर्देशित किया साथ ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निस्तारण में विलम्ब होने पर

सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि जन–शिकायतों का निस्तारण समय पर किया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने लेखपाल रीना कुमारी के बिना सूचना के तहसील समाधान दिवस से अनुपस्थित रहने पर उनका वेतन रोके जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी से लेखपाल शारदा की कार्य में लापरवाही व अनावश्यक रूप से कार्य को विलम्ब करने की शिकायत की गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने लेखपाल को सख्त हिदायत देते हुए कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने छः शिकायतों का निस्तारण कराये जाने का निर्देश दिया है। तहसील समाधान दिवस में कुल 202 (राजस्व विभाग की 138, पुलिस विभाग की 28, विकास विभाग की 11 एवं अन्य विभागों की 25) शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 06 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

तहसील चुनार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन समस्याए

मीरजापुर। शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील चुनार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र के द्वारा आये हुये फरियादियों के समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु प्रार्थना पत्रों को प्रेषित किया गया। तहसील चुनार मे जिलाधिकारी के समक्ष कुल 94 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ जिसमें मौके पर 4 का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियो को सम्बोधित करते हुये कहा कि जिस अधिकारी को प्रार्थना पत्र को प्रेषित किया जा रहा हैं वे फरियादियों के समस्याओं को भलीभाति सुनते हुये गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्रों को सुनने के उपरान्त जिलाधिकारी ने अधिकारियो से कहा कि राजस्व विभाग व अन्य कर्मचारी राजस्व से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रो को गम्भीरता पूर्वक संज्ञान में लेते हुये मौके पर जाकर निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पूर्व में प्राप्त शिकायतों का यदि निस्तारण न किया गया हो तो अधिकारी उसे गम्भीरता से लेते हुये गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। निस्तारण गुणत्तापूर्ण न पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। तहसील दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष रशमी जहां पत्नी नसीर अहमद के द्वारा प्रार्थना देकर अवगत कराया कि चक रोड पर अतिक्रमण मुक्त कराने का अनुरोध किया, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रकरण की जॉच कर यथोचित कार्यवाही करें। प्रार्थिनी शनाबा बानो पत्नी रियाजुद्दीन ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि काशीराम आवास आवंटन हेतु प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी ने परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देशित किया कि प्रकरण का स्थलीय निरीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी, संयुक्त मजिस्ट्रेट नवनीत सेहारा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद, परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनय मिश्रा, तहसीलदार चुनार नूपुर सिंह, उप निदेशक कृषि अशोक उपाध्याय, उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र, सहित सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–ः संस्थापक ः–
स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक
स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)
मोबाइल नंबर 9450475366
Email
prayagdarpan@gmail.com
R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।